हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, मंगलवार, 1 अप्रैल, 2025

11 किसानों के हितैषी थे पूर्व कृषि मंत्री स्व. सुरेंद्र सिंह ...

12 द्विओं ने मां ब्रह्माचारिणी की पूजा-अर्चना कर...

खबर संक्षेप

साइक्लोथॉन के लिए उदय पोर्टल पर होगा रजिस्ट्रेशन

चरखी दादरी। हरियाणा उदय कार्यक्रम के तहत ड्रग फ्री हरियाणा का संदेश लेकर साइक्लोथॉन आगामी 6 अप्रैल को बाढ़ड़ा खंड के रास्ते जिले में प्रवेश करेगी और अगले दिन 7 अप्रैल को महेन्द्रगढ़ के लिए प्रस्थान करेगी। इस यात्रा में शामिल होने के लिए रजिस्ट्रेशन लिंक खुला है जिस पर कोई भी व्यक्ति रजिस्ट्रेशन कर सकता है। यात्रा का उद्देश्य लोगों को नशे के खिलाफ जागरूक करना है। उपायुक्त मुनीश शर्मा ने जिले की ग्राम पंचायतों, कॉलेजों, स्कूल, एनजीओ, विभिन्न एसोसिएशन, नशा मुक्ति केंद्र आदि से ड्रग फ्री मुहिम में शामिल होते हुए इस यात्रा में भाग लेने का आह्वान किया।

दिविशा का कंबाइंड डिफेंस सर्विस में चयन

भिवानी। भिवानी पब्लिक स्कूल की दिविशा ने देश की प्रतिष्ठित एवं कठिन परीक्षाओं में से सीडीएस की परीक्षा में अंतिम रूप से चयनित होकर देश में 21वां रैंक प्राप्त किया है। दिविशा के चयन की खबर ने स्कूल प्रबंधक, शिक्षकों और विद्यार्थी के परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई। विद्यालय निदेशिका आशा पाहुजा ने बताया कि दिविशा अब प्रशिक्षण के लिए चेन्नई जाएगी। उन्होंने दिविशा की उपलब्धि पर गर्व व्यक्त किया और कहा कि ये हमारे स्कूल की शिक्षा और मूल्यों का परिणाम है। दिविशा ने अपनी सफलता का श्रेय विद्यालय एवं अध्यापकों के मार्गदर्शन को दिया है। इस उपलब्धि के लिए उन्होंने विद्यालय प्रबंधक समिति एवं शिक्षकों की ओर से छात्रा दिविशा को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

तीन बेटियों के हाथ पीले करने से पहले सतवीर लड़ रहा जिंदगी से जंग

आशियाने को बचाने के लिए आत्मदाह के प्रयास का मामला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लोहारू

बेटी बड़ी हो जाने पर उसके हाथ पीले करके उसे ससुराल रवाना करना हर माता-पिता का सपना होता है और इसके लिए वे जिंदगी भर मेहनत भी करते हैं। ऐसा ही सपना शहर चौ देवीलाल खेल स्टेडियम के पीछे खेतों में रहने वाले सतवीर सिंह ने भी संजोया था और अपनी तीन बेटियों के विवाह के लिए 7 अप्रैल की तिथि भी तय कर रखी थी।

सोमवार को जैसे ही न्यायालय के आदेश पर पुलिस प्रशासन की टीम कब्जा खाली करवाने सतवीर के खेत में बने घर के सामने पहुंची तो अपने आशियाने को बचाने के लिए 42 वर्षीय सतवीर ने अपने ऊपर पेट्रोल छिड़कर कर स्वयं को आग के हवाले कर दिया। फिलहाल सतवीर रोहतक पीजीआई में जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रहा है। उसका छोटा भाई अशोक भी इस आग में झुलस गया तथा वही रोहतक पीजीआई में उपचाराधीन है। इस घटना के बाद से बेटियां ही नही बल्कि पूरे परिवार के लोग सकते आ गए हैं।

बता दें कि करीब 7 एकड़ जमीन पर पीड़ित सतवीर, अशोक, धर्मवीर और उसके भाइयों का परिवार काबिज है। उस जमीन के मालिकाना हक को लेकर पिछले करीब 16 वर्षो से विवाद चल रहा था। एसडीएम मनोज दलाल के अनुसार न्यायालय के आदेश पर इस जमीन का कब्जा खाली करवाया जाना था। लेकिन जमीन पर काबिज सतवीर, अशोक, धर्मबीर और उसके परिवार के सदस्यों ने इसका विरोध किया। परिजनों के अनुसार 7

अप्रैल को सतवीर की तीन बेटियों नेहा, सिवानी और तानिया की शादी होनी थी और विवाह की तैयारियां चल रही थी। तीनों बेटियों की अलग अलग गांवों से बारात आनी थी, जिसके लिए पूरे परिवार में मौज मस्ती का आलम बना हुआ था। लेकिन विवाह से मात्र सात दिन पहले ही न्यायालय के आदेश पर प्रशासनिक अमला उनकी जमीन खाली करवाने पहुंच गया, जिससे पूरा परिवार सकते में आ गया। एक तरफ तीन बेटियो के विवाह की तैयारियां और दूसरी ओर प्रशासन का मौके पर आशियाना खाली करवाने पहुंचना। इन बातों ने सतवीर को अंदर तक झकझोर दिया और उसने आव देखा ना ताव अपने ऊपर पेट्रोल छिड़क लिया और आग लगा ली। चारों तरफ परिजनों की चित्कार की आवाजें सुनाई देने लगी और प्रशासन के भी पसीने छूट गए। पुलिस प्रशासन ने भी इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। प्रशासन ने बताया कि वे तो दरवाजे के भीतर दखिल भी नहीं हुए थे और सतवीर ने ये दर्दनाक कदम उठा लिया।

- सतवीर सिंह की तीन बेटियों की शादी 7 अप्रैल को होनी है
- करीब 7 एकड़ जमीन पर पीड़ित सतवीर, अशोक, धर्मवीर और उसके भाइयों का परिवार काबिज
- न्यायालय के आदेश पर पुलिस प्रशासन की टीम कब्जा खाली करवाने के लिए पहुंची

शहर में दिनभर चर्चा

उधर इस घटना को लेकर शहर में दिन भर चर्चा रही। लोगों के अनुसार पीड़ित को न्याय मिलना चाहिए। बहरहाल एसडीएम लोगों ने इस मामले में दोनों पक्षों को कानून में दायरे में रहते हुए मानवीय संवेदनाओं के साथ आवश्यक कार्रवाई करने का भरोसा दिलाया है और किसी के भी साथ अन्याय नही होने की बात कही है। दूसरे पक्ष की ओर रतीराम का कहना है कि उन्होंने इस जमीन को लेकर कानून रूप से लंबी लड़ाई लड़ी है, न्यायालय ने उनके हक में फैसला दिया है। वे न्यायालय के फैसले का स्वागत करते हैं।

जिलावासी जल संरक्षण में करें अपनी भागीदारी सुनिश्चितः उपायुक्त

भिवानी। डीसी महावीर कौशिक ने गर्मी के मौसम के चलते जिलावासियों का आह्वान किया कि वे पीने के पानी को व्यर्थ न बहाएं। गर्मी के मौसम में जल संरक्षण का महत्व और अधिक बढ़ जाता है। जल संरक्षण जरूरत भी है और यह हमारा कर्तव्य भी है। इसलिए सभी जिलावासी जल संरक्षण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। पेयजल से संबंधित किसी भी समस्या के लिए जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग का टोल फ्री नंबर 1800-180-5678 पर संपर्क कर सकते हैं।

- जैसे-जैसे गर्मी बढ़ रही है वैसे-वैसे पानी की खपत बढ़ती जा रही है।

जैसे-जैसे गर्मी बढ़ रही है वैसे-वैसे पानी की खपत बढ़ती जा रही है। नागरिकों को पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन हरसंभव प्रयास कर रहा हैं। पेयजल आपूर्ति में कई बार राशनिंग भी करनी पड़ती है।

दिलबाग एथलेक्टिस एसो. के प्रधान नियुक्त

भिवानी। भिवानी एथलेटिक्स एसोसिएशन के प्रधान दिलबाग सिंह को एथलेक्टिस एसोसिएशन हरियाणा का प्रधान नियुक्त किए जाने पर उनके सम्मान में समारोह का आयोजन किया। पुराना हाउसिंग बोर्ड में एथलेक्टिस एसो. के जिला सचिव राममेहर सिंह बूरा व अन्य खेलप्रेमियों ने दिलबाग सिंह का फूल मालाओं से स्वागत किया।

राजेन्द्र सिंह मलिक द्वारा निजी कारणों से इस्तीफा देने बाद ये पद खाली था। हिसार में आयोजित बैठक में दिलबाग सिंह को एथलेक्टिस एसो. हरियाणा का

प्रधान नियुक्त किया। राममेहर सिंह बूरा ने कहा कि दिलबाग सिंह के इस पद पर नियुक्त होने से एसो. और अधिक मजबूत होगी। उन्होंने एथलेक्टिस फेडरेशन ऑफ इंडिया के संयुक्त सचिव राजकुमार, कंपटीशन डायरेक्टर नरेंद्र मोर, जितेन्द्र बागड़, जसवंत सिवाच आदि का आभार जताया। इस अवसर पर मदनलाल बलियाली, डॉ. मुकेश, अजय एडवोकेट, संजय आर्मी कोच आदि मौजूद रहे।

- राजेन्द्र सिंह मलिक के इस्तीफा देने के बाद पद हो गया था खाली

नीता चावला बनी सांस्कृतिक मंच की अध्यक्षा

भिवानी। वर्ष प्रतिपदा 2082 पर कला साहित्य व संस्कृति को समर्पित संस्था सांस्कृतिक मंच की द्विवार्षिक बैठक सांस्कृतिक सदन में हुई। बैठक में आगामी दो वर्ष के लिए अध्यक्ष का चयन किया। चुनाव अधिकारी के रूप में वरिष्ठ आयकर अधिवक्ता सुरेन्द्र जैन उपस्थित हुए। बैठक में विशिष्ट अतिथि अग्रवाल व आदर्श महिला महाविद्यालय प्रबंध समिति की उपाध्यक्ष सुनीता उपस्थित हुए।

चुनाव अधिकारी की देखरेख में निवर्तमान अध्यक्ष अनीतानाथ ने अध्यक्ष पद के लिए प्रोफेसर नीता चावला के नाम

भिवानी। मीटिंग में चर्चा करते सांस्कृतिक मंच के पदाधिकारी व सदस्य।

का प्रस्ताव रखा, जिसे सभी सदस्यों ने करतल ध्वनि से अनुमोदन कर दिया। नई कार्यकारिणी में डॉ. मदन मानव व कान्तिचन्द्र कौशिक को उपाध्यक्ष, रणविजय सिंह को महासचिव, प्रदीप वर्मा को सहसचिव, बलदेव शर्मा को कोषाध्यक्ष, विजय सोलंकी को संगठन सचिव पद की जिम्मेदारी सौंपी।

मंच ने सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के लिए शशि परमार को अध्यक्ष, सदस्य डॉ. वन्दना वत्स और तरुण कुमार, साहित्य प्रकोष्ठ के अध्यक्ष संदीप वधवा, सदस्य प्रोफेसर जोगेंद्र कुमार और जयपाल शास्त्री होंगे।

शिक्षा बोर्ड से सेवानिवृत्त हुए तीन अधिकारी व कर्मचारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

सोमवार को हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड से शिव कुमार, अधीक्षक, राकेश कुमार, अधीक्षक एवं विजय कुमार शर्मा, पैकर सेवानिवृत्त हुए। शिक्षा बोर्ड अध्यक्ष प्रो.(डॉ.) पवन कुमार द्वारा इन्हें एक गरिमापूर्ण समारोह में विदाई दी गई। इस अवसर पर बोर्ड उपाध्यक्ष सतीश कुमार भी मौजूद रहे।

बोर्ड के अध्यक्ष प्रो.(डॉ.) पवन कुमार ने बताया कि शिव कुमार, अधीक्षक 35 वर्ष 07 महीने 03 दिन, राकेश कुमार, अधीक्षक 33 वर्ष 11 महीने 27 दिन एवं विजय कुमार शर्मा, पैकर 43 वर्ष 04 महीने 14 दिन तक बोर्ड में अपनी सेवाएं देने उपरान्त सेवानिवृत हुए हैं। उन्होंने सेवानिवृत हुए अधिकारियों/कर्मचारी के कार्यों की सराहना की तथा उनके सुखमय और आनंदमय जीवन की कामना की तथा वर्तमान में बोर्ड की वार्षिक परीक्षाओं के सफल संचालन में उनके सहयोग के लिए अधिकारियों/कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया और कहा कि बोर्ड के अधिकारियों व कर्मचारियों के प्रयासों के फलस्वरूप शिक्षा

भिवानी। सेवानिवृत्त पर स्मृति चिह्न देकर सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

बोर्ड प्रगति के पथ पर अग्रसर है। इस अवसर पर बोर्ड उपाध्यक्ष सतीश कुमार ने कहा कि बोर्ड के अधिकारी/कर्मचारी काफी लग्न व मेहनत से कार्य करते हैं। उन्होंने सभी से अपील की कि बोर्ड कर्मी अपनी सक्रिय सहभागिता को बढ़ाते हुए पूर्ण कत्र्तव्यनिष्ठा व लग्न से कार्य करें। बोर्ड अध्यक्ष व उपाध्यक्ष ने सेवानिवृत हुए अधिकारी/कर्मचारी को भेंट स्वरूप स्मृति चिन्ह व उपहार देकर शिक्षा बोर्ड से विदाई दी। इस अवसर पर सेवानिवृत हो रहे कर्मचारी/अधिकारी के परिजन व बोर्ड के अधिकारी/कर्मचारी भी मौजूद रहे।

सप्लाई को लेकर लोगों में हाहाकार एसडीओ बोले- पानी की समस्या नहीं

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा के अनेक वार्डों में पीने के पानी की समस्या बनी हुई है और लोग हाहाकार कर रहे हैं वहीं दूसरी और विभाग के उपमंडल अभियंता ने बताया कि पानी की कमी नहीं है, यदि कहीं कर्मचारी गड़बड़ कर रहे हैं तो वे पता करवाएंगे।

बवानीखेड़ा के वार्ड 9, 11, 12, 13 सहित अन्य वार्डों में पिछले कई दिनों से पीने के पानी की दिक्कत चली आ रही है। रविदास मंदिर के पीछे वार्डवासियों ने बताया कि उनके वार्ड में कई कई दिनों तक पानी नहीं आता जिसके चलते उन्हें खरीदकर पानी लाकर अपनी जरूरतें पूरी करनी पड़ रही हैं। वहीं कुछ वार्डवासियों ने बताया कि उनकी घरों में सुबह सुबह सप्लाई का समय होता है और वे अंधेरे में उठकर पानी का इंतजार करते हैं लेकिन पानी की सप्लाई नहीं आती। घरों में पानी की खपत होने व पानी समय पर न आने के कारण खासी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कर्मचारियों को फोन करने पर वे फोन नहीं उठाते जिससे पानी का पता नहीं चल पाता। वार्डवासियों ने बताया कि बीते सीजन भी पानी के लिए कई कई माह तक रोष प्रदर्शनों पश्चात विभाग जागा था। इस बार ऐसा न हो इसके लिए प्रशासन को पहले ही प्रबंध करने चाहिए ताकि कस्बावासियों को दिक्कतों का सामना ना करना पड़े। इस बारे जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के उपमंडल अभियंता जयसिंह ने बताया कि पिछले दिनों पंपिंग मशीन में दिक्कत आई थी हालिया मशीनरी ठीक है व पानी की दिक्कत नहीं है। वे पता करवाएंगे कि किसी समस्या के चलते लोगों के वार्ड में पानी की सप्लाई रोकी हुई है।

उपलब्धि निष्ठा और ईमानदारी से की गई मेहनत का मिलता है फल : कुलपति

चौधरी बंसीलाल विवि ने राष्ट्रीय कव्वाली स्पर्धा में फिर मारी बाजी

विवि कुलपति प्रोफेसर दीप्ति धर्माणी ने विजेताओं को दी बधाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

कोई भी क्षेत्र हो पूरी निष्ठा और ईमानदारी से की गई मेहनत का फल अवश्य मिलता है बशर्ते जुनून का उसमें मिश्रण होना चाहिए। शिक्षा के साथ साथ सांस्कृतिक उत्थान के लिए विश्वविद्यालय हमेशा तत्पर रहता है। विश्वविद्यालय ने अपने गठन के मात्र कुछ वर्षों में ही शिक्षा एवं अनुसंधान,खेल व सांस्कृतिक गतिविधियों में राष्ट्रीय स्तर पर नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं।

यह कहना है चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर दीप्ति धर्माणी का। उन्होंने आज युवा कल्याण विभाग के सांस्कृतिक दल को उनकी जीत पर विद्यार्थियों को शाबाशी देते हुए आगे बढ़ने का आशीर्वाद दिया। इस दौरान कुलसचिव डॉ भावना शर्मा ने कहा कि जीतते वहीं है जिनमें जीत का

भिवानी। प्रतिभागियों के साथ विश्वविद्यालय के अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

हौंसला होता है। उन्होंने तमाम विजेता विद्यार्थियों की पीठ थपथपाई और शिक्षा के साथ साथ अपनी अपनी प्रतिभा को निखारते रहने का आशीर्वाद दिया। युवा कल्याण विभाग की डायरेक्टर डॉ सोनल शेखावत ने बताया कि विश्विद्यालय की कुलपति प्रो दीप्ति धर्माणी के कुशल नेतृत्व में,कुलसचिव डॉ भावना शर्मा और डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रोफेसर सुरेश कुमार मलिक की देख रेख में 28-29 मार्च को मुलाना के महर्षि मार्कंडेश्वर विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय सातवीं राष्ट्रीय कव्वाली प्रतियोगिता में युवा कल्याण विभाग के सांस्कृतिक दल ने तीसरे रनर अप स्थान को प्राप्त किया है। इस अवसर पर उन्होंने। यह टीम युवा कल्याण विभाग की निदेशिका डॉ सोनल शेखावत, डॉ विजय कुमार एवं सुपरवाइजर ज्ञानेंद्र राज की देखरेख में प्रस्तुति देने गई थी।

ये रहे मौजूद

इस दौरान वैश्य कालेज से प्राचार्य डॉ संजय गोयल, डॉ धीरज त्रिखा, सुपरवाइजर डॉ वीएम बेचैन, संगीतज्ञ दीपक कुमार, जितेन्द्र सिंह,शुभम शर्मा एवं विभिन्न माहाविधालयों के विजेता छात्र-छात्राएं उपस्थित रही।

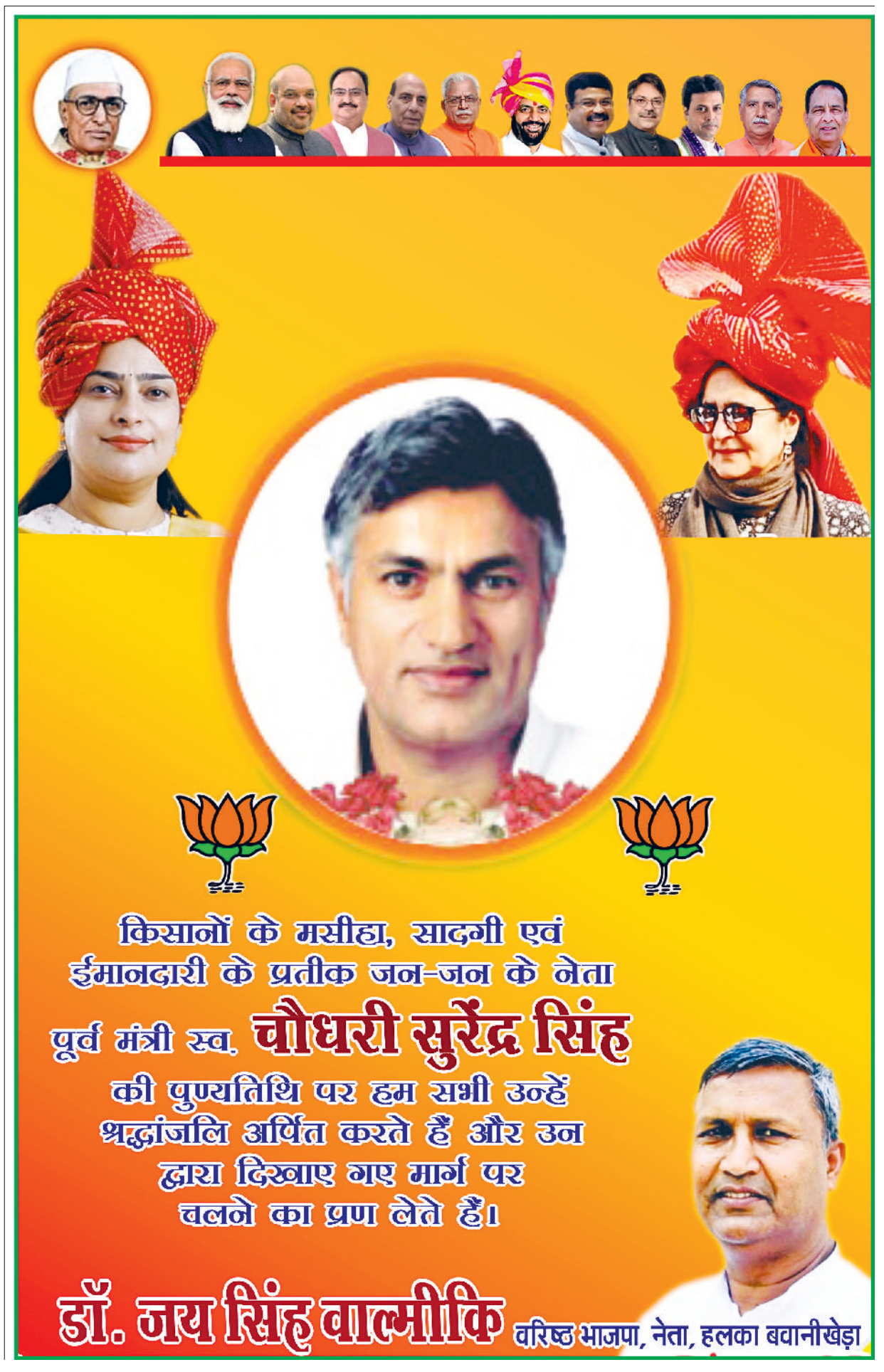

हरिभूमि
सहेली

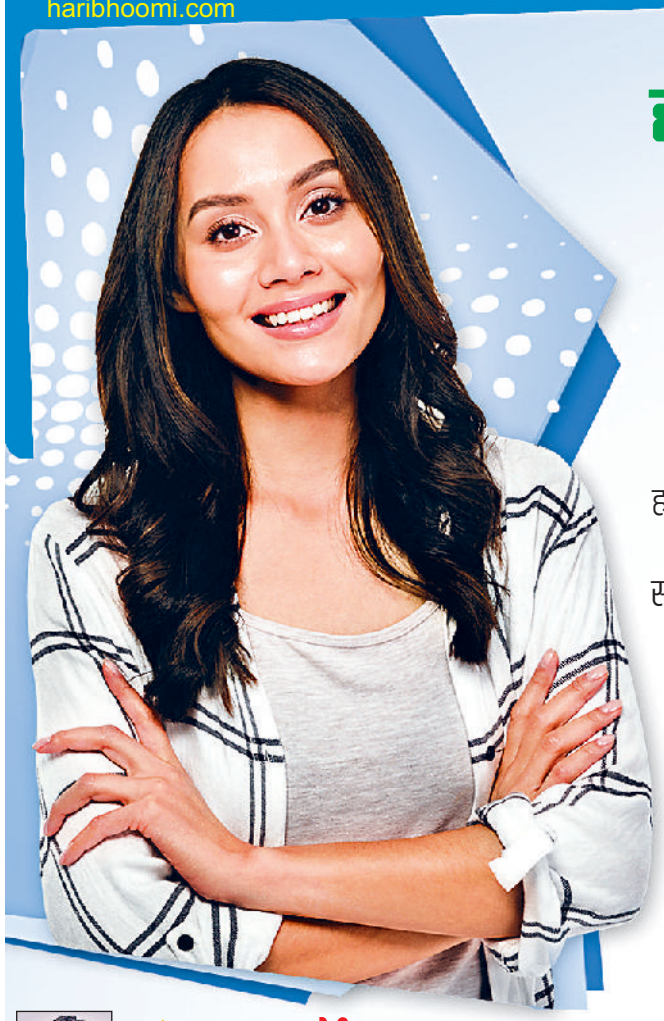

हमारा शारीरिक ही नहीं मानसिक रूप से स्वस्थ रहना भी बहुत जरूरी है। जब हम महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य की बात करते हैं तो आज की जीवनशैली में अधिकांश महिलाएं कई तरह की मनोवैज्ञानिक समस्याओं से घिरकर मानसिक रूप से अस्वस्थ रहती हैं। समय रहते इन्हें समझना बहुत जरूरी है, क्योंकि इसके घातक परिणाम हो सकते हैं। आजकल महिलाएं किन मानसिक समस्याओं से घिरती हैं, इनके शुरुआती लक्षण क्या हैं, बचाव के लिए किन बातों का ध्यान रखें? विशेषज्ञ की जरूरी सलाह।

मन को न रखें बीमार रहें हमेशा खुश

कवर स्टोरी

डॉ. विपुल रस्तोगी
सीनियर कंसल्टेंट-साइकेट्रिस्ट

हम अपने शारीरिक स्वास्थ्य के लिए तो चिंतित रहते हैं, लेकिन मानसिक स्वास्थ्य पर अकसर ध्यान नहीं देते, जो बहुत जरूरी है। दरअसल, समय के साथ समाज बदल रहा है। आज के इस बदलते दौर में लोगों की व्यस्तता बहुत ज्यादा बढ़ चुकी है। लोगों के पास अपने परिवार के सदस्यों तक के लिए समय नहीं रहता। ऐसी जीवनशैली के प्रभाव से महिलाएं भी अछूती नहीं हैं। जहां एक ओर होममेकर्स पर खुद को ऑलराउंडर साबित करने का सामाजिक दबाव रहता है, वहीं काम-काजी महिलाओं के सामने घर और ऑफिस की दोहरी जिम्मेदारी और खुद को बेहतर साबित करने की चुनौती होती है। दोहरी जिम्मेदारियां निभाते हुए वे शारीरिक और मानसिक थकान से जूझ रही होती हैं। घर और बाहर की जिंदगी के बीच संतुलन स्थापित करने की कोशिश में वे दिन-रात जुटी रहती हैं। इसी दबाव की वजह से हमेशा उनका मन अशांत और उदास रहता है, वे स्ट्रेस, एंग्जायटी और डिप्रेशन जैसी मनोवैज्ञानिक समस्याओं की शिकार हो जाती हैं। यहां हम जानते हैं, कुछ ऐसी मनोवैज्ञानिक समस्याओं के बारे में, जिनकी गिरफ्त में आकर अधिकांश महिलाएं परेशान रहती हैं साथ ही यह भी जानते हैं कि इनसे कैसे उबरें-

मेंटल स्ट्रेस: पुराने समय की तुलना में आज की महिलाओं का जीवन ज्यादा मुश्किलों से भरा है। संयुक्त परिवार तेजी से टूट रहे हैं, शहरों में न्यूक्लियर फैमिलीज की संख्या बढ़ती जा रही है। खासतौर पर महानगरों की संस्कृति ऐसी है कि वहां के अपार्टमेंट्स में रहने वाले लोग अपने पड़ोसियों से ज्यादा मिलना-जुलना पसंद नहीं करते। ऐसी स्थिति में होममेकर्स के आस-पास कोई ऐसा व्यक्ति नहीं होता, जिसके साथ वे अपने मन की बातें शेयर कर सकें, ऐसे में उनका तनाव बढ़ने लगता है। मनासिक तनाव की स्थिति में ब्रेन से कार्टिसोल नामक हार्मोन का सिक्रीशन बढ़ने लगता है, जो तनाव बढ़ाता है।

प्रमुख लक्षण: उदासी, चिड़चिड़ापन, थकान, ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई, कार्य क्षमता का घटना और मामूली बातों पर निराश हो जाना, मेंटली स्ट्रेस्ड होने के प्रमुख लक्षण हैं। ऐसी स्थिति में कई बार अनिद्रा, सिर या हाथ-पैरों में दर्द, भोजन में अरुचि होना और पाचन में गड़बड़ी जैसे शारीरिक लक्षण भी नजर आते हैं।

बचाव-उपचार: नए लोगों से दोस्ती बढ़ाएं, प्रियजनों के साथ दिल की बातें शेयर करें, म्यूजिक सुनने, बागवानी या स्पोर्ट्स जैसी एक्टिविटीज में अपनी सक्रियता बढ़ाएं। नियमित रूप से योगासन और प्राणायाम करें। अपनी कार्यक्षमता की सीमाएं पहचानें और जो कार्य बहुत ज्यादा मुश्किल हों, उसके लिए न कहना सीखें। सही ढंग से टाइम मैनेजमेंट करते हुए अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित रखें। अगर इन प्रयासों के बावजूद तनाव कम न हो तो मनोवैज्ञानिक सलाहकार से संपर्क करें। वे कॉग्नेटिव बिहेवियर थेरेपी की मदद से इस समस्या का समाधान करेंगे।

एंग्जायटी: यह ऐसी मनोदशा है, जिसमें व्यक्ति को अत्यधिक चिंता, डर या बेचैनी महसूस होती है। वर्तमान दौर में घर और बाहर की दोहरी जिम्मेदारियां, जीवन के हर क्षेत्र में खुद को सर्वश्रेष्ठ साबित करने की होड़, बच्चों की परवरिश से जुड़ी चुनौतियां और लोन की ईएमआई चुकाने की चिंता जैसी परेशानियों के कारण आजकल महिलाओं में एंग्जायटी की समस्या तेजी से बढ़ रही है। खान-पान की गलत आदतों के कारण होने वाले हार्मोन संबंधी असंतुलन को भी इसके लिए जिम्मेदार माना जाता है।

प्रमुख लक्षण: मन में बार-बार नकारात्मक विचार आना, हमेशा सशंकित रहना, वर्तमान को छोड़कर भविष्य के बारे में लगातार सोचते रहना, खुद को लाचार महसूस करना, दिल की धड़कन का तेज होना, पसीना आना, अनावश्यक थकान और सांस लेने में तकलीफ होना।

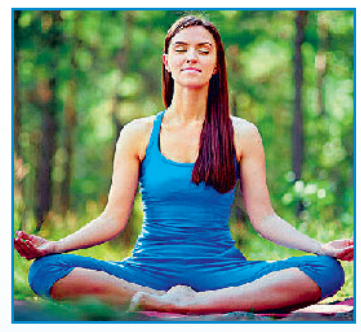

बचाव-उपचार: सोने-जागने का समय सुनिश्चित करें, जब मन परेशान हो तो गहरी सांस लें, योग और ध्यान करें, करीबी लोगों के साथ इस समस्या के बारे में खुलकर बातचीत करें, हमेशा अच्छा सोचें और मोटिवेशनल किताबें पढ़ें। इन प्रयासों के बावजूद अगर आपकी मनोदशा में कोई बदलाव न आए तो एक्सपर्ट से सलाह लें। काउंसलिंग और दवाओं की मदद से यह समस्या दूर हो जाती है।

डिप्रेशन: अगर किसी व्यक्ति के मन में उदासी और खालीपन की भावना लंबे समय तक बनी रहे तो ऐसी मनोदशा को डिप्रेशन कहा जाता है। आजकल महिलाओं में यह समस्या तेजी से बढ़ रही है। खासतौर पर डिलीवरी के बाद हार्मोन संबंधी असंतुलन, नवजात शिशु की देखभाल की वजह से दिनचर्या में अचानक आने वाला बदलाव, नींद की कमी और करियर की चिंता के कारण अधिकतर महिलाओं को अवसाद का सामना करना पड़ता है। इस तरह की समस्या को पोस्टपार्टम डिप्रेशन कहा जाता है। इसी तरह आजकल मिडिल एज महिलाओं में भी डिप्रेशन के लक्षण नजर आते हैं, क्योंकि उम्र के इस दौर में अधिकतर परिवारों की युवा संतानें उच्च शिक्षा या जॉब की वजह से घर से दूर चली जाती हैं। पति अपनी प्रोफेशनल लाइफ में बिजी रहते हैं, ऐसी स्थिति में अकेलेपन की वजह से महिलाओं के मन में गहरी उदासी की भावना घर कर जाती है। ऐसी मनोदशा को एंप्टीनेस सिंड्रोम कहा जाता है।

लक्षण: हमेशा अकेलापन और खालीपन महसूस करना, ज्यादा सोना या अनिद्रा, ओवर ईटिंग या भूख न लगना, अपनी रुचि से जुड़े कार्यों में भी दिलचस्पी कम होना, निर्णय लेने में कठिनाई महसूस होना, मन में हीन भावना पैदा होना, आत्मविश्वास में कमी महसूस होना।

बचाव-उपचार: अपनी रुचि से जुड़े कार्यों में स्वयं को व्यस्त रखें, खुशमिजाज लोगों से दोस्ती बढ़ाएं, कॉमेडी शोज देखें, मॉर्निंग वॉक और एक्सरसाइज करें, बच्चों के साथ वक्त बिताएं, पर्यटन स्थलों पर घूमने-फिरने जाएं, धार्मिक गतिविधियों में शामिल हों, बागवानी करें या घर में कोई पालतू जानवर रखें, फोन पर दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ गपशप करें। ऐसे छोटे-छोटे प्रयास डिप्रेशन दूर करने में मददगार होते हैं। जरूरत महसूस होने पर साइकेट्रिस्ट से सलाह लें। उपचार की मदद से इस समस्या को नियंत्रित किया जा सकता है।

प्रस्तुति: विनीता

थोड़ा फूल बनकर-थोड़ा बनाकर हंसिए खुलकर

इस आपा-धापी भरी जिंदगी में जब भी हंसने-हंसाने का मौका मिले, चूकना नहीं चाहिए। फर्स्ट अप्रैल यानी फूल-डे जैसे अवसर पर फूल बनने या बनाने का मौका बिल्कुल भी नहीं छोड़ना चाहिए।

एंज्वॉयमेंट

चेतना झा

मेरे दिलवर, यह खत पाकर तुम शायद चौंक जाओ! चौंकने की बात भी है! मोबाइल कॉल, व्हाट्सएप, मैसेंजर के जमाने में खत! फ्रोजन शोल्डर, बढ़ी तोंद और सफेदी झांकते बाल के दौर में प्रेम पत्र! सच पूछो तो बस पंद्रह साल की देर हुई। यह खत तो तुम तक तभी पहुंचना था, जब कॉलेज में मेरी बेंच के पीछे तुम बैठा करते थे। याद है ना, दो चोटी वाली वह लड़की! नहीं याद आई? चलो और बताती हूं, वही जो तुम्हें कभी-कभी चोर निगाहों से देख लिया करती थी। अब भी नहीं पहचाने? ओह, वही जिसके नाक अकसर सुड़कती रहती थी। अब तो मैं तुम्हारे पड़ोस में आ गई हूं। खत मिलते ही छत पर चले आना, मैं तुम्हें सामने की बालकनी में दिखूंगी। तुम्हारी प्रतीक्षा में...

-तुम्हारी प्रिया

सुबह अखबार उठाने के लिए मेन गेट तक आए सौरभ ने जब गुलाबी लिफाफे में यह खत देखा तो चौंककर वह आस-पास देखने लगा। मन ही मन सोचने लगा, 'किसी ने देखा तो नहीं। किसने भेजा यह खत? कॉलेज के दिनों की ऐसी किसी लड़की का तो मुझे याद ही नहीं। चलो एकांत में आज कॉलेज के साथी दुर्गेश से इसकी चर्चा करता हूं। शायद उसे याद हो।' पत्नी सोनम खिड़की से चिंतामग्न पति को देख कर मंद-मंद मुस्कुरा रही थी। भीतर आने पर चाय का प्याला पकड़ा कर शर्ट की पॉकेट से झांकते गुलाबी लिफाफे के बारे में पूछा तो पति महोदय घबरा उठे, 'कुछ नहीं.. कुछ नहीं... पेपर में आज विज्ञापन का पन्ना था, सो वही है।' अनमने ढंग से चाय पीते पति और उन्हें देख मुस्कुराती रही पत्नी। आज की सुबह तो वाकई खास थी। तभी पति कुर्सी पर से उठे तो पत्नी ने पूछा, 'कहां चल दिए, छत पर? उस दो चोटी वाली और नाक सुड़काने वाली प्रियतमा से मिलने!' पति अकबकाए खड़े और पत्नी हंसते-हंसते दोहरी होती जा रही। फिर बोली, 'अप्रैल फूल बनाया तो उनको...!' अब तो पति भी हंसते-हंसते बेहाल।

थोड़ा बनिए-थोड़ा बनाइए: बेशक अपनों के साथ हंसी-मजाक के लिए किसी विशेष दिन की दरकार नहीं होती। साथ ही अपनों को मूर्ख बनाने के संग, उनसे मूर्ख बनने का भी अपना एक अलग मजा है। ऐसे में अगर बात मूर्ख दिवस यानी फर्स्ट अप्रैल की आती है तो वैसा ही लाइसेंस-सा मिल जाता है, जैसा अभी-अभी बीते त्योहार होली में रंग लगाने पर मिला था 'बुरा ना मानो होली है...!'

तो तैयार हो जाइए, थोड़ा फूल बनाइए, थोड़ा बनिए और जिंदगी में फूलों सी मुस्कान बिखेरिए।

रिश्तों का रिफ्रेश बटन: गंभीरता का लबादा उतार कर अपनों के साथ की गई मीठी शरारतें यकीनन आपके रिश्तों पर रिफ्रेश बटन दबाने सरीखी होंगी। अप्रैल फूल बनने-बनाने के लिए एक दिन तो सीमाओं को तोड़िए, कभी कलीग से तो कभी दोस्तों से कुछ ऐसी चुहल कर अंत में बोलिए, 'अप्रैल फूल!' इसके बाद तो वे लंबे समय तक आपका नाम सामने आते ही मुस्करा देंगे, 'अरे वो...!' सिर्फ दोस्तों के साथ ही नहीं, अपने माता-पिता के साथ भी ऐसा कीजिए।

मुस्कुराहट का कार्यस्थल: थोड़ी शरारत तो कलीग्स से भी बनती है। एक बार ऑफिस ग्रुप में सबको भेज दीजिए, जल्दी आने और मीटिंग की सूचना और खुद आप आइए इत्मीनान से और फिर कहिए वही, 'अप्रैल फूल बनाया...!' किसी कलीग की पीठ पर 'किक मी' का मैसेज लगाकर देखिए। पूरा ऑफिस मुस्कुराता काम करेगा, इस दिन। क्रीमी बिस्किट की क्रीम हटा कर उसमें टूथपेस्ट सजाना, कंप्यूटर के पास नकली गिरगिट या सांप रख देना...! आइडिया तो बहुत हैं, आपको ही ढूंढ़ना होगा।

सजेशन

ललिता गोयल

न्यूट्रिशस डाइट से आप रहेंगी मेंटली हेल्दी

मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के लिए जीवनशैली में जरूरी बदलावों के साथ ही आपको अपनी डाइट पर भी ध्यान देना चाहिए। अगर आपका मूड स्विंग होता है, आप अकसर तनावग्रस्त रहती हैं या बेवजह डिप्रेशन फील करती हैं तो इसका मतलब यह नहीं कि आप किसी तरह के मानसिक रोग का शिकार हैं। हो सकता है, आपके शरीर में कुछ पोषक तत्वों की कमी की वजह से आपको इन समस्याओं का सामना करना पड़ रहा हो। यह समझना बहुत जरूरी है कि बेहतर मेंटल हेल्थ के लिए हेल्दी खान-पान भी जरूरी होता है। कुछ फूड्स हमारी मेंटल हेल्थ को बेहतर करने में मददगार होते हैं।

साबुत अनाज: साबुत अनाज जैसे कि कॉर्न, बारले और क्विनोआ, ओट्स, बींस, सोया अपनी डाइट में शामिल करने से ओवरऑल मेंटल हेल्थ बेहतर होती है। ये अनाज डिप्रेशन, एंग्जायटी से बचाव में भी मदद करते हैं।

हरी पत्तेदार सब्जियां: भोजन में पालक और अन्य हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन करने से मेंटल हेल्थ को लाभ मिलता है। इन पत्तेदार सब्जियों में ओमेगा 3 फैटी एसिड, मैग्नीशियम और आयरन जैसे महत्वपूर्ण न्यूट्रिएंट्स भी पाए जाते हैं, जो मेंटल हेल्थ के लिए काफी जरूरी होते हैं।

बेरीज: एक रिसर्च के अनुसार बेरीज खाने से मूड बेहतर करने में मदद मिलती है। इसके साथ ही ये डिप्रेशन के लक्षणों को भी कम करता है।

सूखे मेवे: सूखे मेवे जैसे कि काजू, बादाम, अखरोट, किशमिश और सीड्स जैसे चिया सीड्स में ओमेगा 3 फैटी एसिड एवं अन्य पोषक तत्व पाए जाते हैं। ये मूड और मेंटल हेल्थ को बेहतर करने में मदद करते हैं।

टमाटर: टमाटर में मौजूद फाइटोन्यूट्रिएंट लाइकोपीन, अल्जाइमर और डिमेंशिया जैसी दिमाग से जुड़ी बीमारियों से बचाव करने में मदद करता है। इसे अपनी डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए।

केला: केले में विटामिन-बी 6 पाया जाता है, जो दिमाग के न्यूरोट्रांसमीटर सेरोटोनिन और डोपामाइन का संचार बढ़ाता है। इससे मूड अच्छा होने में मदद मिलती है।

(डायटीशियन शीला सहरावत से बातचीत पर आधारित)

स्पेशल : ऑटिज्म अवेयरनेस मंथ (अप्रैल)

आजकल बच्चे अपना ज्यादातर समय स्मार्ट गैजेट्स के साथ बीता रहे हैं, इसका बच्चों के समग्र विकास पर बुरा प्रभाव पड़ता है। वे ऑटिज्म का शिकार हो रहे हैं। समय रहते हमें अपने बच्चों को ऑटिज्म की ओर बढ़ने से रोकना होगा। यह कैसे संभव है, जरूरी सलाह।

स्क्रीन वर्ल्ड में खोए बच्चे ऑटिज्म का जोखिम

बच्चे और आप

डॉ. मोनिका शर्मा

आजकल बच्चों के पास स्मार्ट गैजेट्स होना आम बात है। बोलने-समझने की उम्र से पहले ही स्क्रीन में झांकते रहने की आदत इन मासूमों के सहज विकास में बड़ी बाधा बन गई है। कभी गेम, कभी कार्टून फिल्म। पलक तक झपकाना भूल जाने वाले छोटे-छोटे बच्चों का स्क्रीन वर्ल्ड में खोए रहना बहुत-सी व्याधियों को न्योता देता है। परवरिश के परंपरागत रंग-ढंग की जगह ले रहा तकनीकी जाल, बच्चों को वर्चुअल ऑटिज्म का शिकार बना रहा है। बहुत छोटे बच्चों में स्क्रीन यानी टेलीविजन, स्मार्ट फोन, टैबलेट जैसे गैजेट्स के अत्यधिक इस्तेमाल से वर्चुअल ऑटिज्म की समस्या पैदा होती है। आभासी संसार में खोए रहने वाले बच्चे सामाजिक संपर्क बनाने में असहज महसूस करते हैं। देरी से बोलना सीखते हैं। दूसरी की बात समझने में कठिनाई होने लगती है। कई मामलों में दोहराव पूर्ण व्यवहार जैसे कई लक्षण उनमें दिखाई देने लगते हैं।

समस्याओं का घेरा: हालिया वर्षों में पैरेंटिंग के मोर्चे पर डिजिटल गैजेट्स के इस्तेमाल की अति से बच्चों को बचाने की जिम्मेदारी भी जुड़ गई है। यह डिजिटल व्यस्तता बालमन को कमोबेश हर मामले में नुकसान पहुंचाने वाली है। बच्चों के मानसिक-मनोवैज्ञानिक विकास को प्रभावित करने वाली वर्चुअल ऑटिज्म प्रॉब्लम, कई दूसरी व्याधियों की भी जड़ है। चिंतनीय है कि जीवन के शुरुआती पड़ाव पर ही स्क्रीन को देखते रहने से वर्चुअल ऑटिज्म के घेरे में आ रहे बच्चों का अटेंशन स्पैन (एकाग्रता अवधि) भी कम हो जाता है। बर्ताव में चिड़चिड़ापन और विचारों में उलझन-अस्पष्टता जगह बना लेती है। कई बार पुकारे जाने पर भी रिएक्ट नहीं करते। ऐसे बच्चे हाइपर एक्टिव हो जाते हैं। बहुत से बच्चे अपने पसंदीदा कार्टून कैरेक्टर या किसी ऑनलाइन खेल के कैरेक्टर की तरह बोलने-बतियाने लगते हैं। कम उम्र में बढ़ते स्क्रीन टाइम से न्यूरोलॉजिकल बीमारियों के घेरे में आ रहे हैं। आम जीवन से कट जाने वाले ऐसे बच्चे फोकस्ड नहीं रह पाते। किसी भी बात या काम पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाना आगे चलकर व्यक्तिगत ही नहीं, अकादमिक जीवन को भी प्रभावित करता है।

गैजेट एक्सपोजर घटाएं पैरेंट्स: गैजेट्स के साथ बहुत अधिक समय बिताने वाले बच्चों को हरदम स्क्रीन पर दिखते कंटेंट से एकतरफा संवाद सुनने की आदत हो जाती है, जिसके चलते सहजता से कुछ बोल नहीं पाते। बातचीत के सहज हाव-भाव नहीं सीखते। पहले बहुत छोटे बच्चों का यह समय घर के बड़े-बुजुर्गों या पैरेंट्स के साथ बीतता था। सहज इंसानी बातचीत सुनते हुए बड़े होने वाले बच्चे भी आसानी से बोलना सीख जाते थे। हर तरह के मनोभाव को जताना उन्हें आ जाता था। बच्चों के बढ़ते स्क्रीन टाइम ने दूसरों की बातों को सुनना-समझना भुला दिया है। बालमन सहज प्रतिक्रिया भूल गया है। बच्चे दूसरों से मेल-जोल में भी असहज महसूस करते हैं। इन समस्याओं का हल गैजेट्स से दूरी बरतना ही है। संभव हो तो पांच साल की उम्र तक के बच्चों को डिजिटल उपकरणों से पूरी तरह दूर रखें। वर्चुअल ऑटिज्म पांच-सात वर्ष से छोटे बच्चों में ही अधिक होता है। इस आयुवर्ग तक के बच्चों के साथ समय बिताने में पैरेंट्स भी रुचि लें।

समय रहते चेतें

आज के तकनीकी दौर में परवरिश के मोर्चे पर सामने आ रही वर्चुअल ऑटिज्म की समस्या को लेकर समय रहते चेतना जरूरी है। बच्चों को वर्चुअल दुनिया नहीं, बल्कि असली संसार से जोड़ना आवश्यक है। मनोरंजन के परंपरागत माध्यमों का चुनाव, घर के बुजुर्गों का साथ-संवाद और गैर-डिजिटल गतिविधियों को बढ़ावा देना ही इस समस्या से बचा सकता है। अप्रैल का यह पूरा महीना ऑटिज्म की प्रॉब्लम्स को लेकर अवेयरनेस लाने से जुड़ा है। ऐसे में वर्चुअल ऑटिज्म के जोखिम में आ रहे बच्चों को लेकर भी जागरूक होना आवश्यक है।

हेयर केयर

शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

अगर आप डेंड्रफ की प्रॉब्लम से परेशान हैं तो दवाइयों या केमिकल बेस्ड कॉस्मेटिक प्रोडक्ट्स की बजाय कुछ होम रेमिडीज अप्लाई कर सकती हैं। ये रेमिडीज आप बहुत आसानी से घर में कर सकती हैं और इसके बहुत अच्छे परिणाम आते हैं।

क्या आप डेंड्रफ से हैं परेशान अप्लाई करें ये होम रेमिडीज

सिर के बालों में डेंड्रफ यानी रूसी होना कॉमन प्रॉब्लम है। मौसम कोई भी हो, बालों में रूसी की समस्या कुछ लोगों को बहुत परेशान करती है। आयुर्वेद के अनुसार पित्त और कफ के असंतुलित हो जाने के कारण यह समस्या होती है। हमारे शरीर में उपस्थित कफ और वात के असंतुलित हो जाने पर यह रक्त में मिलकर खून को गंदा कर देते हैं। यही सिर के रोम छिद्र को बंद कर देते हैं। जिससे सिर की त्वचा रूखी होने लगती है और सिर पर पपड़ी जमने लगती है, जिसे रूसी कहते हैं। डेंड्रफ न केवल देखने में खराब लगता है बल्कि खुजली और जलन भी पैदा करती है। स्कैल्प में होने वाला डेंड्रफ फंगस के कारण होता है, जो सिर की सतह से सीबम और डेड स्किन सेल्स से बढ़ता है। डेंड्रफ के फ्लेक्स, छोटे-बड़े कई आकार के हो सकते हैं और बालों में कंघी करने से भी नहीं निकलते हैं।

डेंड्रफ होने के कारण: डेंड्रफ कई कारणों से हो सकता है, जिनमें शुष्क त्वचा, तैलीय त्वचा, फंगल इंफेक्शन, विटामिन-बी की कमी, मानसिक तनाव और कुछ मेडिकल कंडीशंस भी शामिल हैं। इनके अलावा केमिकल युक्त हेयर प्रोडक्ट्स का यूज करने, अस्त-व्यस्त जीवनशैली, बालों में गंदगी, बालों की सही देख-रेख न करने और रोज गर्म पानी से सिर धोने पर भी डेंड्रफ हो सकती है। इससे निजात पाने के लिए आप कुछ होम रेमिडीज अप्लाई कर सकती हैं।

नारियल तेल है कारगर: नारियल के तेल से स्कैल्प की मालिश करने से सिर में रक्त संचार बढ़ता है। नारियल का तेल लगाने से स्कैल्प मॉयश्चराइज होती है, जिससे डेंड्रफ को कम करने में मदद मिलती है। हल्का गर्म करके नारियल का तेल स्कैल्प पर लगाएं और कुछ घंटों के लिए छोड़ दें। फिर माइल्ड शैंपू से धो लें। इससे काफी राहत मिलेगी।

नारियल तेल और नीबू के रस को बराबर मात्रा में मिलाएं। इस मिश्रण को आप अपने स्कैल्प पर लगाकर हल्के हाथों से मसाज करें। इसे एक घंटे तक लगा रहने दें और फिर शैंपू कर लें। बेहतर परिणाम के लिए आप इसको हफ्ते में तीन बार इस्तेमाल कर सकती हैं।

यूज करें एलोवेरा जैल: डेंड्रफ की समस्या खत्म करने के लिए बालों पर एलोवेरा लगाना भी काफी फायदेमंद माना जाता है। एलोवेरा अपने एंटीफंगल और एंटी इंफ्लेमेटरी गुणों के कारण डेंड्रफ के लिए प्रभावी होता है। यह खुजली और सिर की जलन को शांत करने में भी मदद कर सकता है। इसके लिए एलोवेरा जैल को अपने स्कैल्प और बालों पर लगाएं। इसे 30 मिनट से एक घंटे तक लगा रहने दें और फिर हल्के शैंपू से अच्छी तरह धो लें। आप इस प्रक्रिया को हफ्ते में 2-3 बार दोहरा सकती हैं। हालांकि सीधे बालों पर एलोवेरा जैल लगाने से पहले आपको एक बार पैच टेस्ट अवश्य कर लेना चाहिए।

एलोवेरा जैल में नीबू के रस की कुछ बूंदें और ग्लिसरीन मिला लें। अब इस मिश्रण से स्कैल्प पर मसाज करें। 15 मिनट मसाज करने के बाद इसे 15 मिनट के लिए लगा रहने दें। उसके बाद गुनगुने पानी से बालों को धो लें। बालों को धोने के लिए माइल्ड शैंपू और कंडिशनर का ही इस्तेमाल करें।

अप्लाई करें दही: दही में एंटीफंगल गुण होते हैं, जो डेंड्रफ को कम करने में मदद करते हैं। दही को बालों की जड़ों से सिरों तक अंगुलियों से मलते हुए लगाएं और आधे घंटे बाद बालों को ताजे पानी से धो डालें। इससे बालों की अच्छी सफाई हो जाती है और डेंड्रफ दूर होते हैं। दही में नीबू का रस, बेसन मिलाकर सिर पर लगाने से भी डेंड्रफ दूर होता है। दही और एलोवेरा जैल का मिश्रण भी बालों के डेंड्रफ का प्रभावी उपाय है।

मेथी दाना: डेंड्रफ हटाने के लिए मेथी के दानों को रात भर पानी में भिगोकर रखें। अगली सुबह इन दानों को पीसें और बालों पर लगाकर आधे घंटे बाद ताजे साफ पानी से धो डालें। मेथी, डेंड्रफ दूर करने के साथ बालों की कई समस्याओं को दूर कर देती है।

खबर संक्षेप

हिंदू नव वर्ष के मौके पर निकाली शोभायात्रा

लोहारू। शहर के श्री पंचमुखी हनुमान मंदिर के पुजारी एवं सनातन हिंदू जागृति संगठन के संस्थापक अक्षय शास्त्री के नेतृत्व में लोहारू में नवरात्र स्थापना और हिंदू नववर्ष की शुभारंभ मौके पर शहर में शोभा यात्रा निकाली गई। इससे पहले संगठन के लोगों ने मंदिर परिसर में पूजा अर्चना की और बाद में सनातन धर्म की ध्वजा लेकर शहर में शोभा यात्रा निकाली। सांय को मंदिर परिसर में लोगों ने सुंदरकाण्ड का पाठ किया और 51 किलोग्राम दुध के साथ दूध उत्सव मनाया। एसएसजे फाउंडेशन के संस्थापक सदस्य अनिल जोशी, पवन कुमार, शहीद भगत सिंह समाज कल्याण समिति के प्रधान जगदीश जायलवाल, प्रदीप नागल, संजय वर्मा आदि ने बताया कि हिंदू नव वर्ष का सदियों से महत्व चला आ रहा है।

शिक्षा लोन के ब्याज पर मिलता है अनुदानः डीसी

चरखी दादरी। हरियाणा महिला विकास निगम की ओर से लड़कियों व महिलाओं को देश विदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए बैंकों से ऋण लेने पर ब्याज दर में 5 प्रतिशत अनुदान दिया जाता है। योजना का लाभ उठाने वाली महिला एवं लड़की का हरियाणा का स्थाई निवासी होना जरूरी है। उपायुक्त मुनीश शर्मा ने बताया कि महंगे ब्याज दर के अभाव में कोई भी छात्रा उच्च शिक्षा प्राप्त करने से वंचित ना रहे। इसलिए सरकार लड़कियों व महिलाओं को उच्च शिक्षा प्राप्त करने पर 5 प्रतिशत ब्याज दर से सब्सिडी देने के लिए वचनबद्ध है। भारत सरकार के बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान को गति प्रदान करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशन में यह योजना चलाई जा रही है ताकि लड़कियों व महिलाओं को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए किसी समस्या का सामना न करना पड़े।

शिविर में जनसमस्याओं का हो रहा समाधान

चरखी दादरी। समाधान शिविर में सीटीएम जितेन्द्र कुमार ने जनशिकायतों की सुनवाई करते हुए संबंधित मामलों में अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन की ओर समाधान शिविर में आने वाली हर एक शिकायत पर उचित एवं प्रभावी कार्रवाई करवाए जा रही है। प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशों पर जिले में उपायुक्त मुनीश शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित किए गए समाधान शिविर में परिवार पहचान पत्र, जमीनी विवाद व अन्य विभागों से संबंधित शिकायतों की सुनवाई की गई। सीटीएम ने इन सभी शिकायतों को धैर्यपूर्वक सुना।

थाना प्रभारी सतीश कुमार का झज्जर हुआ तबादला

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा में थाना प्रभारी का कार्यभार लोहारू से तबादला होकर आए शिव कुमार सैनी ने संभाल लिया वहीं बवानी खेड़ा के थाना प्रभारी सतीश कुमार का झज्जर तबादला हो गया। सतीश कुमार ने यहां थाना प्रभारी के कार्यभार के समय शांति और कानून व्यवस्था सुदृढ़ करने में कोई कौर कसर नहीं छोड़ी। वहीं थाना प्रभारी शिव कुमार सैनी ने बताया कि उनका मकसद उनके आधीन आने वाले क्षेत्र में शांति व कानून व्यवस्था का मजबूत करना है।

गोलागढ़ में हजारों कार्यकर्ताओं ने पुष्पांजलि अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

किसानों के हितैषी थे पूर्व कृषि मंत्री स्व. सुरेंद्र सिंह : सुनील शास्त्री

स्व.चौधरी सुरेंद्र सिंह ने कृषि मंत्री बनते ही पहले अपनी कलम से राजस्व रिकॉर्ड को कंप्यूटराइज व ऑनलाइन करने का फैसला किया था।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। गांव गोलागढ स्थित समाधि पर पुष्प अर्पित करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

भिवानी। स्व. सुरेंद्र सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

पूर्व कृषि मंत्री स्व चौ सुरेंद्र सिंह की पुण्यतिथि पर सोमवार को उनके पैतृक गांव गोलागढ़ में उनकी समाधि पर हजारों कार्यकर्ताओं द्वारा पुष्पांजलि अर्पित कर दी भावभीनी श्रद्धांजली दी गई। चेयरमैन शीशराम गोलागढ़, एडवोकेट हरिसिंह सांगवान ने कहा कि स्व. चौधरी सुरेंद्र सिंह युवाओं के प्रेरणा स्त्रोत और अपने पिता स्व चौधरी बंसीलाल के जीवनभर सारथी और श्रवण कुमार के जैसे आज्ञाकारी पुत्र थे। उन्होंने कहा पूर्व कृषि मंत्री स्व चौ सुरेंद्र सिंह जीवनभर अपने पिता स्व चौधरी बंसीलाल का क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने कहा कि स्व.चौधरी सुरेंद्र सिंह ने कृषि मंत्री बनते ही पहले अपनी कलम से राजस्व रिकॉर्ड को कंप्यूटराइज व ऑनलाइन करने का फैसला किया था। पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उन्होंने कहा कि चौ. सुरेंद्र सिंह ने अपना जीवन संघर्ष करते हुए बिताया। वे युवाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत थे। उन्होंने अपने कार्यकाल में कृषि विभाग के कई कार्यो को कंप्यूटरीकृत करने का कार्य किया। वे पूर्व मुख्यमंत्री स्व. चौ. बंसीलाल के आदर्श बेटे के साथ ही उनके सारथी के रूप में प्रदेश के हित में कार्य करते रहे।

इस अवसर पर शीशराम चेयरमैन, हरिसिंह सांगवान, रामप्रताप शर्मा,कृष्ण लेघा, परमजीत मड्डू, ठाकुर अमर सिंह, प्रदीप गोलागढ़, सुरेश कुमार गोलागढ़, धर्मपाल शर्मा, अजीत सरपंच, जयचन्द चहड़िया, सरदार गुरविंदर सिंह, वीरेंद्र मलिक, देवेंद्र हुडीना, विजय खोरड़ा ,सुनील सिंघानी, सतीश, पूर्व बीडीसी सुरेंद्र शर्मा लाला, ताराचंद शर्मा, सत्यनारायण शर्मा, जयपाल, चंद्रभान, बृजेश बीडीसी, सुनील पत्थरवाली,नीटू गोलागढ,मंजीत गोलागढ़, राजेश पंघाल, वासु शर्मा, सुभाष बापोड़ा, विकास संडवा, वजीर डाडम, डॉ जयसिंह,सत्यनारायण शर्मा, जयपाल चेयरमैन, अनिल चेयरमैन, ताराचंद शर्मा, धर्मपाल शर्मा आदि हजारों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वहीं पूर्व कृषि मंत्री स्व. चौ. सुरेंद्र सिंह की 20वीं पुण्यतिथि पर भाजपा नेता रामप्रताप शर्मा, सुनील शास्त्री व सुभाष बापोड़ा के नेतृत्व में सोमवार को अनेक लोगों ने गांव गोलागढ़ में स्व. चौ. सुरेंद्र सिंह की समाधि पर माल्यार्पण कर नमन किया। इस मौके पर रामप्रताप शर्मा ने पूर्व कृषि मंत्री स्व. चौ. सुरेंद्र सिंह द्वारा अपने कार्यकाल में किए गए जनहित के कार्यो की जानकारी उपस्थित लोगों को देते हुए उन्हे किसानों का सबसे बड़ा हितैषी बताया। शर्मा ने कहा कि उन्हे स्व. चौ. सुरेंद्र सिंह के साथ कुछ समय रहने का सौभाग्य मिला था तथा वे उनकी आमजन की सोच व कार्यप्रणाली को नजदीक से देख पाए। उन्होंने कहा कि स्व. चौ. सुरेंद्र सिंह सोच हमेशा सभी लोगों के समान उत्थान कही रही। इस मौके पर सुनील शास्त्री ने कहा कि स्व. सुरेन्द्र सिंह ने हमेशा किसान भलाई की सोच रखी तथा किसानों के हित में अनेक योजनाएं क्रियान्वित की, जिनका लाभ आज तक किसान उठा रहे है। उन्होंने कृषि मंत्री रहते पूरे देश में राजस्व रिकॉर्ड ऑनलाईन करवाया। जिसके चलते किसान पटवारी व दलालों के चंगुल से आजाद हो पाया।

घर-घर जाकर दाखिले के लिए प्रेरित किया

भिवानी। अभिभावकों के समक्ष सरकारी स्कूलों की उपलब्धियां गिनवाते हुए।

- सरकारी स्कूलों में दाखिले के लिए रावमावि सांगा के स्टाफ सदस्यों ने तेज किया दाखिला अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

सरकारी स्कूलों में नए शैक्षणिक सत्र के लिए दाखिला अभियान जोरों पर है। शिक्षक खुद कमान संभालते हुए घर-घर जाकर अभिभावकों को सरकारी स्कूलों की सुविधाओं और गुणवत्ता के बारे में जागरूक किया। इसी कड़ी में शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार एवं जिला शिक्षा अधिकारी सुभाष भारद्वाज के निर्देशन में प्रवेश उत्सव कार्यक्रम के तहत जिला के गांव सांगा स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य अशोक कुमार पहल के नेतृत्व में विद्यालय स्टाफ सदस्यों ने घर-घर जाकर बच्चों को सरकारी विद्यालय में दाखिले के लिए प्रोत्साहित किया। इस बारे में जानकारी देते हुए संस्कृत प्रवक्ता रामधन शास्त्री ने बताया कि सरकारी विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2025-26 में दाखिले के लिए शिक्षा विभाग द्वारा शैड्यूल जारी किया गया है। जिसके तहत कक्षा 9वीं व 11वीं में दाखिले एक अप्रैल से शुरू होंगे। कक्षा 9वीं के सामान्य दाखिले तथा कक्षा 11वीं के प्रोविजनल दाखिले किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत घर-घर जाकर लोगों को बताया कि सरकारी स्कूलों में अब स्मार्ट क्लास, मुफ्त किताबें, मिड-डे मील, यूनिफॉर्म और अन्य सुविधाओं की जानकारी दी जा रही है। विद्यालय प्राचार्य अशोक कुमार पहल ने बताया कि सरकारी विद्यालयों में पढ़ाई का स्तर अब काफी बेहतर हुआ है। अनुभवी शिक्षक, आधुनिक सुविधाएं और खेल-कूद की गतिविधियां बच्चों के सर्वांगीण विकास में मदद कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य सरकारी विद्यालयों में विद्यार्थियों की संख्या बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि अभिभावकों को जागरूक करना बेहद ज़रूरी है।

चरखी दादरी। मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करते अतिथि। *फोटो :हरिभूमि*

हिन्दू मॉडल स्कूल में मेधावी छात्रों को किया सम्मानित

चरखी दादरी। दादरी-कनीना मुख्य सड़क पर स्थित गांव मौड़ी के हिन्दू मॉडल स्कूल में आज वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। इस अवसर पर स्कूल के मेधावी छात्रों को पुरस्कार प्रदान किए गए। विद्यालय का वार्षिक परीक्षा परिणाम प्राचार्य एवं निदेशक सोमबीर जाखड़ ने घोषित किया। इस परिणाम में कक्षा आठवीं से आकाश ने प्रथम तथा मीनू ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। इसी कड़ी में सातवीं कक्षा से साक्षी ने प्रथम और निधि ने द्वितीय, कक्षा छठीं से दिव्यांशी ने प्रथम और हितेश ने द्वितीय, कक्षा पांचवीं से वेदिका ने प्रथम और योगेश ने द्वितीय, कक्षा चौथी से मीनल ने प्रथम और नव्या ने द्वितीय, कक्षा तीसरी से तक्ष श्योराण ने प्रथम और हिमांशी ने द्वितीय, कक्षा दूसरी से माही प्रथम और खुश ने द्वितीय, कक्षा पहली से चेष्ठा, प्रियांशी, गीतांशा ने प्रथम और तनिश, साक्षी, देवांशी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर प्राचार्य ने सभी होनहार विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किए और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा पूरे स्टाफ

सरकार और जनता के बीच मजबूत सेतू है

भिवानी। डीसी महावीर कौशिक के मार्गदर्शन में सोमवार को लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए हाल में समाधान शिविर आयोजित हुआ। अतिरिक्त उपायुक्त डॉ. मुनीष नागपाल ने समाधान शिविर में नागरिकों की शिकायतें सुनी। एडीसी डॉ. नागपाल ने कहा कि समाधान शिविर सरकार और जनता के बीच मजबूत सेतु का काम कर रहा है। नागरिकों की समस्याओं का समाधान करने के साथ-साथ उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए वे समाधान शिविर में निर्धारित समय पर पहुंचे और नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध तरीके से समाधान करें।

अतिरिक्त उपायुक्त डॉ. मुनीष नागपाल ने कहा कि अधिकारी समाधान शिविरों में प्राप्त हो रही शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए

लोहारू। लोहारू अनाज मंडी में मंडल अध्यक्ष, नपा प्रधान और कार्यकर्ता मिठाई बांटते हुए। *फोटो :हरिभूमि*

नपा प्रधान प्रदीप तायल और मंडल अध्यक्ष रोहताश की नियुक्ति पर कार्यकर्ताओं ने बांटी मिठाई

लोहारू। लोहारू के नवनिर्वाचित नगरपालिका प्रधान बंटी तायल और भाजपा के नवनियुक्त मंडल प्रधान रोहताश गिगनाऊ ने रविवार को अनाजमंडी में एक दूसरे को नई पारी की शुरूआत के लिए शुभकामनाएं दी और कार्यकर्ताओं ने दोनों को मिठाई खिलाई। इस मौके पर नपा प्रधान और मंडल अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की कार्यक्रम को भी सुना और संगठन की नीतियों के प्रचार प्रसार के लिए योजना बनाई। भाजपा मंडल अध्यक्ष रोहताश गिगनाऊ ने कहा कि संगठन ने उन्हें लोहारू मंडल की जिम्मेदारी सौंपी है तथा वे संगठन के कार्यकर्ताओं को साथ लेकर संगठन को मजबूत करने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि संगठन और भाजपा सरकार की नीतियों को जनजन तक पहुंचाना ही प्रत्येक कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है। इस दौरान व्यापार मंडल के प्रधान धनपत सैनी, रोहताश लांबा, कृष्ण टीकेवाला, पार्षद अजय शर्मा, पार्षद प्रतिनिधि अश्विनी सैनी, रामबीर और विपिन सैनी ने भी नपा प्रधान प्रदीप तायल और मंडल अध्यक्ष को मिठाई खिलाकर उन्हें बधाई दी। प्रदीप तायल ने कहा कि लोहारू शहर के सभी नवनिर्वाचित पार्षदों के साथ मिलकर तथा नीति बनाकर लोहारू शहर के विकास को नई गति दी जाएगी। उन्होंने कहा कि शहर

न्यूज डायरी

बाबा मुंगीपा स्कूल में बच्चों ने शिक्षाप्रद प्रस्तुतियां दी

तोशाम। गांव बुशान स्थित बाबा मुंगीपा वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में वार्षिक परिणाम समारोह संपन्न हुआ, जिसमें उत्कृष्ट छात्रों को सम्मानित किया गया। इस दौरान मौजूद सभी अभिभावक अपने बच्चों के अच्छे रिजल्ट के कारण उत्साहित थे। इस कार्यक्रम में बच्चों ने शिक्षाप्रद प्रस्तुतियां दी जिसे देखकर सभी अभिभावक व अन्य दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। इस उपलक्ष्य पर संस्था के सीईओ डॉ. नरेश जांगड़ा ने सभी बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा उन्हें निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। इस मौके पर विद्यालय के प्राचार्य प्रमोद दीक्षित ने सभी अभिभावकों को संदेश दिया कि बाबा मुंगीपा विद्यालय के सभी विद्यार्थियों का चहुमुंखी विकास किया जाता है चाहे पढ़ाई हो या खेलकूद व सांस्कृतिक कार्यक्रम ही क्यों न हो। इस दौरान प्राचार्य प्रमोद दीक्षित ने अभिभावकगण को आश्वस्त किया कि आपके बच्चे का भविष्य सुरक्षित हाथों में है, उन्होंने बच्चों को पुरस्कार वितरित किए। इस दौरान सुशील शर्मा, जयभगवान तायल, सुशमा, तारा देवी व समस्त अध्यापकगण मौजूद थे।

ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों में प्रतिभा की कमी नहीं: पूनिया

भिवानी। वीर शहीद श्री शीशपाल राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बजीना स्कूल में कक्षा पहली से आठवीं तक का वर्ष 2024 - 25 का वार्षिक परिणाम घोषित किया गया। जिसमें सभी बच्चे उत्तीर्ण रहे। इस अवसर पर कक्षा वाइज प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान पर रहे विद्यार्थियों को प्राचार्य अनूप सिंह पूनिया द्वारा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य अनूप सिंह पूनिया ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों में प्रतिभा की कमी नहीं है। स्टूडेंट ऑफ द ईयर इस वर्ष का कक्षा सातवीं की छात्रा प्रिया को दिया गया। इस अवसर पर विजय कुमार ई एस एच एम, फकीर चंद, अनिल नगर, धर्मसिंह, अशोक कुमार, राजेश यादव, नीलम, मीना, कृष्ण कुमार, संजीत, पवन, धर्मेन्द्र पी टी आई, नीलम तंवर, रितु, रितिका, जितेंद्र, मास्टर पवन कुमार मिताथल व अभिभावकगण मौजूद रहे।

विमुक्त घूमंतु जाति विकास बोर्ड के पुनः की उठी मांग

भिवानी। हरियाणा में विमुक्त घूमंतु जातियों को अब भी समाज की मुख्यधारा में आने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं की कमी के कारण ये समुदाय पिछड़ेपन का शिकार हैं, ऐसे में विमुक्त घूमंतु जातियों के बच्चों का भविष्य सुरक्षित करने के लिए जरूरी है कि विमुक्त घूमंतु जाति विकास बोर्ड के पुर्नगठन जल्द से जल्द करवाया जाए तथा बोर्ड में इन्ही जातियों के लोगों को चेयरमैन, सचिव व सलाहकार जैसे पदों पर नियुक्त किया जाए, ताकि विमुक्त घूमंतु जाति का विकास एवं उत्थान और भी तेजी से किया जा सकें। यह बात विमुक्त घुमंतु जाति बोर्ड के पूर्व सदस्य अधिवक्ता जयमल सिंह ने विमुक्त घूमंतु जाति विकास बोर्ड के पूर्व चेयरमैन डा. बलवान सिंह से मुलाकात करते हुए कही। उन्होंने कहा कि विमुक्त घूमंतु जातियां सदियों से हाशिए पर हैं। जब तक इनके विकास के लिए विशेष तौर पर मजबूती से कदम नहीं उठाए जाएंगे, तब तक इन्हें सामाजिक और आर्थिक बराबरी नहीं मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि विमुक्त घूमंतु जाति विकास बोर्ड के पुर्नगठन में यदि इन्ही जातियों में से लोगों को अहम पदों पर जिम्मेवारियां मिलती है तो इससे इन समुदायों को सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ मिलेगा। साथ ही राजनीतिक रूप से सरकार के लिए भी बड़ा कदम साबित हो सकता है, क्योंकि हरियाणा में इन जातियों की संख्या लाखों में है और उनका राजनीतिक प्रभाव बढ़ रहा है।

नमाज अदा कर मांगी अमन चैन की दुआ

बहल। बहल में ईद उल फितर के अवसर पर मस्जिद में उपस्थित मुस्लिम समुदाय के लोग। *फोटो : हरिभूमि*

बहल। ईद उल फितर के अवसर पर बहल कस्बे की मस्जिद में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने एकत्रित होकर नमाज अदा की व देश, प्रदेश के अमन, चैन व खुशहाली की कामना की। मस्जिद के इमाम मौलाना अबुल शाद ने नमाज अदा करवाई व समुदाय के लोगों को पर्व की बधाई दी। सोमवार को ईद उल फितर के अवसर पर सुबह से ही मुस्लिम समुदाय के लोगों का आना शुरू हो गया था। एकत्रित लोगों ने नमाज अदा कर अपने परिवार, देश और समाज की खुशहाली की कामना की। मौलाना अबुल शाह ने कहा कि ईद उल फितर केवल एक त्योहार ही नहीं है वरन भाईचारे, मोहब्बत और आपसी सौहाद्र का संदेश देता है। उन्होंने सभी को नेकी की राह पर चलते हुए जरुरतमंद लोगों की मदद करने का संदेश दिया। इस अवसर पर आमीन खान, रीजाक मोहम्मद, शोकिन खान, हनीफ खान, मुमताज खान, यासीन, सिराजुद्दीन, बशीर खान, जुल्फिकार, मुंशी खान, यासीन, भादर खान सहित बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग मौजूद रहे।

मुए थाई चैंपियनशिप 2025 को लेकर मंथन

- मुए थाई खेल संघ हरियाणा की एजीएम मीटिंग का हुआ आयोजन : राहुल राणा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

शहर स्थित एक निजी रेस्टोरेंट भिवानी में मुए थाई स्पोर्ट्स एसोसिएशन हरियाणा की वार्षिक बैठक का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता राज्य संघ के प्रदेशाध्यक्ष शशि प्रताप सिंह उर्फ राहुल राणा ने की। जिसमें हरियाणा राज्य के सभी जिला के प्रधान एवं सचिवो ने भाग लिया और खेल विस्तार पर विचार विमर्श किया ।

राज्य संघ के महासचिव सोमबीर वशिष्ठ ने संघ द्वारा किए गए कार्यो के बारे मे विस्तार से बताया और कहा की इस मीटिंग में खेल व खिलाड़ियों के विकास, खेल प्रोत्साहन व खेल स्तर को बढ़ाने एवं मेडल तालिका को किस प्रकार से बढ़ाया जाए इसके लिए अनेको कदम उठाए जाएंगे । इस अवसर पर यह निश्चित किया कि आगामी होने वाली तीसरी हरियाणा राज्य

भिवानी। पदाधिकारियों को सम्मानित करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

मुए थाई चैंपियनशिप 2025 के आयोजन व संघ के कार्यो पर विस्तार से विचार विमर्श किया । राज्य अध्यक्ष राहुल राणा ने कहा कि खेल को बढ़ावा देने के लिए समय समय पर इस प्रकार की मीटिंग का आयोजन संघ को करते रहना जरूरी हैं। मुए थाई खेल आज हरियाणा का लोक प्रिय खेल के रूप में उभर रहा है मुए थाई खेल को हाल ही में एशियन यूथ खेलो में शामिल कर लिया गया है जिससे हरियाणा के खिलाड़ियों में खुशी की लहर हैं मुए थाई खेल मार्शल आर्ट खेल है जो की आज वर्तमान समय में ऐसे खेलों का होना जरूरी है हरियाणा खेल जगत में विश्व के में सर्व श्रेष्ठ है। वर्तमान समय में सरकार भी खिलाड़ी के हित में आए दिन नई नई स्कीम व सुविधाएं प्रदान कर रही हैं । हरियाणा हर खेल के खिलाड़ी तैयार करने की फैक्ट्री है। इस अवसर पर राकेश कुमार फरीदाबाद को टैकनीकल कमेटी का डिप्टी डायरेक्टर बनाया गया। इस अवसर पर राज्य संघ के उपाध्यक्ष मुकेश तंवर भिवानी, राजकुमार रोहतक , दिनेश कुमार भिवानी , कोषाध्यक्ष कर्मवीर कौशिक पालवास , सहसचिव दीपक भाकर, कृष्ण सिसवाला , कार्यकारिणी सदस्य अनिल कौशिक हिसार , मन्जीत , प्रदीप पहलवान कायला , रामप्रकाश सोनीपत , नैनसुख पलवल , सन्नी झज्जर , सन्नी पहलवान जींद , सुरेन्द्र हिसार , गौरव रोहतक , नरेश पानीपत , अमित कुमार महेन्द्रगढ़ , भीम सिंह दादरी , वैभव फतेहाबाद , शुभम शर्मा पानीपत, साहिल व दिनेश श्री गंगा नगर , मोनू पहलवान आदि मौजूद रहे।

डीआरपी भिवानी पब्लिक स्कूल में वार्षिकोत्सव मनाया

भारतीय प्राचीन संस्कृति पर आधारित प्रस्तुतियां दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

डीआरपी भिवानी पब्लिक स्कूल में वार्षिक समारोह भव्य तरीके से आयोजन किया। समारोह की थीम 'भारतीय प्राचीन संस्कृति' पर आधारित थी, जिसके द्वारा छात्रों ने प्राचीन भारतीय संस्कृति और पौराणिक गौरव को जीवंत कर दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ उद्योगपति धर्मेश शाह ने द्वीप प्रज्ज्वलन व भगवान श्रीकृष्ण की वंदना के साथ हुआ। स्कूल के सचिव पुलकित पाहुजा ने मुख्यतिथि का अभिनंदन किया। विद्यालय की डायरेक्टर आशा पाहुजा ने अनूठी थीम को चुनने का उद्देश्य बताया कि " हमारी भारतीय संस्कृति न केवल हमें पहचान देती है बल्कि ये जीवन प्रबंधन और

भिवानी। मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कृत करते अतिथि। *फोटो : हरिभूमि*

नैतिक मूल्यों की शिक्षा भी देती है। समारोह में विद्यालय के सभी विद्यार्थियों की प्रतिभागिता रही। समारोह सभी के मन में भारतीय संस्कृति की गहरी छाप छोड़ गया। छात्र-छात्राओं ने'महाभारत के नृत्य नाट्य' के माध्यम से अद्भुत प्रदर्शन किया, जिसमें भारतीय शास्त्रीय और लोकनृत्य की झलक देखने को मिली। मुख्यतिथि ने बच्चों के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम के साथ -साथ स्कूल का परीक्षा परिणाम भी घोषित किया, जिसमें शानदार उपलब्धि प्राप्त करने वाले बच्चों को शील्ड देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान व विद्यालय सचिव पुलकित पाहुजा ने धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में मुख्यतिथि धर्मेश शाह, सीए ऋषि भारद्वाज, एडवोकेट अविनाश सरदाना, एडवोकेट बीबी जैन, जयश्री जैन व आनंद यादव आदि उपस्थित रहे।

डॉक्टर से अपॉइंटमेंट व अन्य समस्याओं का एक कॉल में होगा समाधानः डीसी

चरखी दादरी ▶▶ भिवानी

उपायुक्त मुनीश शर्मा ने कहा है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार की ओर से प्रदेशवासियों को ऑनलाइन नागरिक सेवाएं उपलब्ध करवाने को लेकर हरियाणा स्वास्थ्य विभाग ने बड़ी पहल की है।

सरकार की इस नई पहल के जरिए अब प्रदेश के अस्पतालों में डॉक्टर से मिलने का समय लेने के लिए टोल फ्री नंबर डायल 104 की सुविधा उपलब्ध करवाई है। उपायुक्त ने बताया कि स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित शिकायतों को भी संबंधित पोर्टल पर दर्ज करवाया

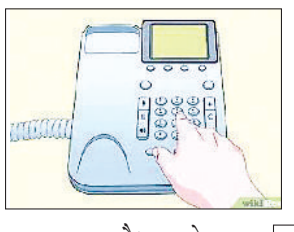

जा सकता है। इसके बाद शिकायतकर्ता को पांच दिन की समयावधि में कॉल बैक की जाएगी। इस पोर्टल पर दवाइयों के बारे जानकारी ली जा सकेगी। उन्होंने कहा कि सरकार की इस पहल का मुख्य उद्देश्य नागरिक अस्पतालों में लोगों को लंबी लाइन में लगने की झंझट से बचाना है। इस सुविधा के जरिए अब डायल 104 पर कॉल कर पूर्व में ही डॉक्टर से परामर्श लेने का समय लिया जा सकेगा। इससे बिना किसी अड़चन के सुगम तरीके से इलाज को सुविधाजनक बनाया जा सकेगा।

सूचना

मैं, सुमित पुत्र भागमल निवासी ढाणी खुशहाल तह० बवानी खेडा जिला भिवानी बयान करता हूँ कि मेरा आधार कार्ड व अन्य दस्तोवजो में मेरी जन्म तिथि 01.12. 2003 है जोकि सही व दुरूस्त है। यह कि 10th class (Roll No. 1021149815) की DMC में मेरी जन्म तिथि 01.12.2004 है जोकि स्वहंन गलती से दर्ज हो गई है। मेरी 10th class की DMC में मेरी जन्म तिथि 01.12.2003 ठीक की जाये, जोकि सही व दुरूस्त है।

खबर संक्षेप

42 साल की सेवा के बाद कमला देवी हुई रिटायर

बहल। महिला एवं बाल विकास विभाग में बहल खंड के ओबरा सर्कल के गांव सेरला में कार्यरत आंगनवाड़ी कार्यकर्ता कमला देवी को 42 वर्षों की सेवा के बाद उनकी सेवानिवृति पर कार्यक्रम आयोजित कर विदाई दी गई। विदाई समारोह में वक्ताओं ने कमला के कार्यकाल की प्रशंसा करते हुए सेवाओं की सराहाना की गई। आंगनबाड़ी केन्द्र सेरला में आयोजित कार्यक्रम में विभाग की सुपरवाइजर वंदना, ऋतु व अनीता ने कहा कि एक कर्मचारी के लिए यह पल भावुकतापूर्ण होता है जब उसे सेवाकाल को निष्ठापूर्वक व बेदाग पूरी करने पर उसके साथी कर्मचारियों द्वारा खुशी से विदाई दी जाती है। कमला देवी ने सेवाकाल में न बच्चों-माताओं के पोषण व देखभाल में अहम भूमिका निभाई।

प्राचार्य वीरेंद्र 33 वर्षों की सेवा के बाद सेवानिवृत्त

भिवानी। एमएनएस राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. वीरेंद्र सिंह फौगाट 33 वर्षों की की उत्कृष्ट सेवा के बाद सोमवार को सेवानिवृत्त हो गए। डॉ. फौगाट की सेवानिवृत्त पर उनके सम्मान में महाविद्यालय में विदाई समारोह आयोजित किया, जहां सहयोगियों, विद्यार्थियों एवं गणमान्य व्यक्तियों ने शिक्षा क्षेत्र में उनके योगदान के प्रति आभार जताया। इस अवसर पर अनेक भावनात्मक भाषण दिए गए और उनकी गौरवशाली यात्रा को याद किया। प्रोफेसर डॉ. फौगाट की सेवानिवृत्ति पर गणमान्य लोगों ने कहा कि वे एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद् और प्रशासक रहे है, जिन्होंने शिक्षा जगत में अमूल्य योगदान दिया है, उनका शिक्षण एवं अनुशासन को बढ़ावा देने का समर्पण छात्रों और शिक्षकों के लिए प्रेरणास्त्रोत रहेगा।

पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एवं प्राचार्य राजकुमार को दी विदाई

भिवानी। स्कूल कैडर लेक्चरर एसोसिएशन हरियाणा (सलाह) के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं गांव पालुवास स्थित राजकीय वमा विद्यालय के प्राचार्य राजकुमार शर्मा अपनी 33 वर्षों की उत्कृष्ट सेवा उपरांत सेवानिवृत्त हो गए, उनकी सेवानिवृत्ति पर सोमवार को विद्या नगर स्थित धर्मशाला में विदाई समारोह का आयोजन किया। समारोह में पदाधिकारी, अध्यापक एवं अन्य नागरिक मौजूद रहे। सभी ने सेवानिवृत्त हुए राजकुमार शर्मा के शिक्षा के क्षेत्र में योगदान को सराहा और उनके सुनहरे भविष्य की कामना की। सलाह के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजबीर शर्मा धारेडू ने कहा कि राजकुमार शर्मा ने शिक्षा जगत में नई ऊचाइयां स्थापित की हैं। राजकुमार सिर्फ शिक्षक केवल ज्ञान नहीं देते, बल्कि समाज को एक नई दिशा भी देते हैं।

चैत्र नवरात्रों के दूसरे दिन मां ब्रह्माचारिणी की पूजा हुई तो ईद का चांद दिखाई देने पर खोले रोजे

हिंदुओं ने मां ब्रह्माचारिणी की पूजा-अर्चना कर एवं मुसलमानों ने ईद की नमाज अता कर मांगीं परिवार की सुख-समृद्धि

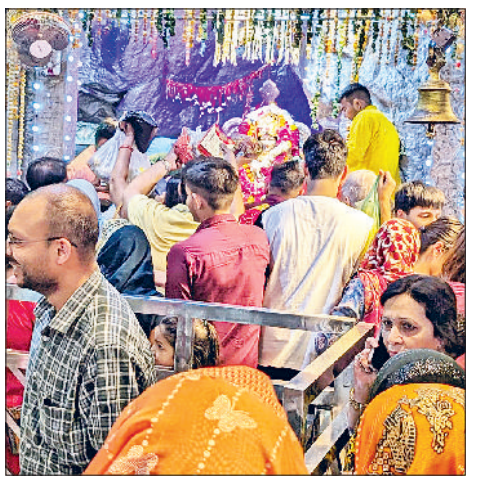

भिवानी। ढाणा रोड स्थित कब्रिस्तान वाली ईदगाह में ईद उल फितर की नमाज अता करते मुसलिम समुदाय के लोग, ईद उल फितर की बधाई देते मुसलिम समुदाय के बच्चें व देवसरवाली मां भवानी मंदिर में दर्शन करते श्रद्धालु। *फोटो: हरिभूमि*

हिंदू नवरात्रों में नौ दिन तक मां की पूजन करते हैं वहीं मुसलमान समुदाय के लोग 30 दिन भूखे-प्यास रहकर रोजे रखते हैं

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

हर धर्म की अपनी मान्यता एवं आस्था होती हैं, जिसके अनुसार अलग-अलग धर्मों के लोग अपनी मान्यता एवं आस्था अनुसार धर्म-कर्म एवं दिनचर्या निर्धारित करते हैं। सोमवार को हिंदू धर्म के लोगों ने नवरात्रों के दूसरे दिन मां ब्रह्माचारिणी की पूजा अर्चना कर एवं मुसलिम धर्म के लोगों ने ईद का चांद दिखाई देने पर ईद-उल-फितर की नमाज अता कर परिवार की सुख-समृद्धि एवं उन्नति की कामना की। हिंदू नवरात्रों में नौ दिन तक माता के नौ रुपों की अलग-अलग दिन पूजन करते हैं एवं उपवास रखकर नौवें दिन माता की कढ़ाई करते हैं, जिसमें कन्याओं को पूजन करवाकर उपवास का समापन होता हैं। वहीं मुसलमान समुदाय के लोग 30 दिन तक भूखे-प्यास रहकर रोजे रखते हैं और ईद का चांद दिखाई देने पर नमाज अता कर रोजो का समापन करते हैं। उल्लेखनीय हैं कि चैत्र नवरात्र 30 मार्च रविवार को शुरू होकर छह अप्रैल को संपन्न होंगे और क्रम अनुसार 30 मार्च को मां शैलपुत्री, 31 मार्च मां ब्रह्माचारिणी, एक अप्रैल को मां चंद्रघंटा, दो को मां कुष्मांडा, तीन को मां स्कंदमाता, चार को मां कत्यायनी, पांच को मां कालरात्रि, छह अप्रैल को अष्टमी एवं नौवीं को मां महागौरी व मां सिद्धिदात्री की पूजा अर्चना की जाएगी, जिसमें श्रद्धालु माता की ज्योत जलाएंगे एवं उपवास रखेंगे। नवरात्रों में हिंदू धर्म के लोग नौ दिन तक उपवास रखते हैं और पूरे दिन में एक समय कुट्टु का आटा की रोटी, सामक व आलू की सब्जी या फलाहार का सेवन करते हैं। वहीं मुसलिम समुदाय के लोगों के लिए ईद एवं रोजे काफी महत्वपूर्ण होते हैं, जिसमें मुसलिम समुदाय के लोग सुबह चार बजे पहले और शाम साढ़े छह बजे के बाद एक बार भोजन करते हैं। इस बार दो मार्च से रमजान के रोजे शुरू हुए, जो गत 30 मार्च को ईद का चांद दिखाई देने पर 29 दिन के रोजे संपन्न हुए। इसके बाद 31 मार्च सोमवार को मुसलिम समुदाय के लोगों ने ईद-उल-फितर की नमाज अता की और एक-दूसरे को ईद की बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

नवरात्रों में मंदिरों में रहती श्रद्धालुओं की भीड़

नवरात्रों में मंदिरों में नौ दिनों तक अलग-अलग माता के नौ रुपों की पूजा अर्चना होती हैं। शहर के लाइनपार मां दुर्गा मंदिर,भोजावाली देवी माता मंदिर, देवसर मां भवानी मंदिर, सिद्धपीठ लाल महादेव अखाड़ा मंदिर सहित अनेक मंदिरों में माता के भक्तों ने पूजा अर्चना कर एवं अखंड ज्योत जलाकर मन्नतें मांगीं। वहीं हनुमान ढाणी स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर, रेलवे रोड गुफावाला माता मंदिर सहित शहर के सभी मंदिरों में माता रानी की दरबार सजाया। मंदिर लाइटों व लड़ियों से सजाएं।

धूमधाम से मनाया ईद-उल-फितर का त्यौहार

ढाणा रोड स्थित कब्रिस्तान वाली ईदगाह में 31 मार्च सोमवार को ईद-उल-फितर का त्यौहार बड़ी धूमधाम से मनाया। बीती शाम 30 मार्च को ईद के चांद का दीदार होने पर भारत वर्ष में ईद-उल-फितर का त्यौहार मनाया। इस मौके पर मस्जिद कमेटी के प्रधान जोरावर अली ने बताया कि ईद-उल-फितर का त्योहार मुसलमान का बहुत पवित्र त्यौहार है, इसमें 29 दिन रमजान के सुबह से शाम तक भूखे-प्यासे रहकर अल्लाह के रोजे रखते हैं और ईद का चांद दिखाई देने पर रोजे खोलकर नमाज अता की। ईदगाह में शहरकाजी मौलाना हबीबुर रहमान ने ईद की नमाज अता करवाई और परिवार की सुख-समृद्धि, उन्नति एवं देश की शांति, भाईचारे एवं खुशहाली की दुआं मांगीं। इस दौरान सभी ने एक दूसरे को ईद की बधाई दी। इस मौके पर हाफिज अली, हनीफ, अब्दुल हमीद, रोशन, इस्लाम, नसीब, सुगनपाल, सुमित, सलीम, इजरायल, सत्तार, जाकिर, आदिल, हैदर व समीर आदि मौजूद रहे।

सुरेंद्र सिंह को पुण्यतिथि पर किया याद

- पूर्व कृषि मंत्री किसानों की हर समस्या दूर करने के लिए हमेशा तत्पर रहते थे: जयसिंह वाल्मीकि

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

पूर्व कृषि मंत्री स्व. चौ. सुरेंद्र सिंह की 20वीं पुण्यतिथि पर सोमवार को जिला के गांव गोलागढ़ स्थित उनकी समाधि पर वरिष्ठ भाजपा नेता जयसिंह वाल्मीकि ने पुष्प अर्पित कर नमन किया तथा उनके दिखाए मार्ग पर चलकर आदर्श समाज की स्थापना करने का संकल्प लिया। इस मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेता जयसिंह वाल्मीकि ने कहा कि पूर्व कृषि मंत्री स्व. चौ. सुरेंद्र सिंह किसानों के मसीहा थे। जिन्होंने किसानों की बिजली, पानी, कृषि की समस्याएं दूर करने के लिए जमीनी स्तर पर कार्य किया। वाल्मीकि ने कहा कि स्व. चौ. सुरेंद्र सिंह ने कृषि मंत्री रहते पूरे देश में राजस्व रिकॉर्ड ऑनलाईन करवाया, जिसके चलते किसान दलालों के चंगुल से आजाद हो पाया। इसके अलावा वे गरीबों की भलाई के लिए हमेशा आगे रहते थे। मंत्री के रूप में उनका हर कदम समाज की भलाई के लिए रहता था।

भिवानी। पूर्व मंत्री स्व. सुरेंद्र सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते वरिष्ठ भाजपा नेता जयसिंह वाल्मीकि।

जयसिंह वाल्मीकि ने कहा कि स्व. सुरेंद्र सिंह ईमानदारी व सच्चाई के साथ काम करने की लगन रखते थे। जिन्होंने ने पूर्व मुख्यमंत्री स्व. चौ. बंसीलाल के सारथी के तौर पर काम तथा आधुनिक हरियाणा के विकास में अपनी अहम भागीदारी निभाई। वे युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उन्होंने कहा कि राज्यसभा सांसद किरण चौधरी व केबिनेट मंत्री श्रुति चौधरी भी पूर्व मुख्यमंत्री स्व. चौ. बंसीलाल व पूर्व कृषि मंत्री स्व. चौ. सुरेंद्र सिंह के दिखाए मार्ग पर चलते हुए प्रदेश के विकास एवं उन्नति में अपनी अहम भूमिका निभा रही है।

जी लिट्रा वैली में वार्षिक पारितोषिक समारोह

- शैक्षणिक उपलब्धियों पर विद्यार्थियों को सम्मानित किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

जी लिट्रा वैली स्कूल वार्षिक पारितोषिक समारोह का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। शैक्षणिक और सह-शैक्षणिक उपलब्धियों पर विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सत्यनारायण, स्कूल प्रबंधन से अमन गर्ग ,प्रधानाचार्या डॉ सुमन यादव एवं उप प्रधानाचार्या सुनीता त्रिखा द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ, जिसके बाद माँ सरस्वती की वंदना की गई। इसके पश्चात विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए पुरस्कृत किया गया। शैक्षणिक प्रदर्शन के आधार पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को विशेष पुरस्कार दिए गए। इसके अतिरिक्त, विद्यार्थियों की विशेष योग्यताओं को पहचानने हेतु विभिन्न श्रेणियों में भी पुरस्कार प्रदान किए गए, जिनमें मुख्य रूप से हैप्पी हेल्पर, बेस्ट ओरेटर, होमवर्क वाइज, सिन्सियर ईमानदार छात्र, मोस्ट रेगुलर नियमितता में श्रेष्ठ एवं मोस्ट क्रिएटिव सृजनात्मकता में श्रेष्ठ शामिल हैं।

भिवानी। प्रतिभागियों को सम्मानित करते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

विद्यालय प्रधानाचार्या डॉ. सुमन यादव ने इस अवसर पर विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि परिश्रम और अनुशासन ही सफलता की कुंजी हैं। जो छात्र अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहते हैं, वे जीवन में अवश्य सफल होते हैं।

राष्ट्रीय गान से समापन

प्रधानाचार्या ने आगामी शैक्षणिक सत्र की विशेष सुविधाओं की भी घोषणा की। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु स्कूल में नए सत्र से स्विमिंग पूल, इंडोर एवं आउटडोर गेम्स, इंग्लिश स्पोकन क्लासेस, पर्सनालिटी डेवलपमेंट क्लासेस एवं विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की भी विशेष व्यवस्था की जाएगी। इन सुविधाओं के माध्यम से विद्यार्थियों को शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक रूप से मजबूत बनाने पर जोर दिया जाएगा। समारोह का समापन राष्ट्रीय गान के साथ हुआ, जिससे संपूर्ण वातावरण राष्ट्रभक्ति से भर उठा।

लीलाराम वर्मा सम्पर्क स्टार टीचर से सम्मानित

- ढाणी गंगा बिशन की प्राथमिक पाठशाला को मिला सम्पर्क स्टार स्कूल अवार्ड

हरिभूमि न्यूज ⏭ लोहारू

हाल ही में भिवानी के राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल परिसर में संपर्क फाउंडेशन नई दिल्ली द्वारा आयोजित एक सम्मान समारोह में लोहारू खंड की राजकीय प्राथमिक स्कूल ढाणी गंगा बिशन को सत्र 2023-24 के लिए संपर्क स्टार स्कूल के अवार्ड से सम्मानित किया गया।

इसी विद्यालय के शिक्षक लीलाराम वर्मा को भी संपर्क स्टार टीचर से सम्मानित किया गया है। उनको यह सम्मान भिवानी के खंड शिक्षा अधिकारी शिव कुमार, तोशाम के बीईओ विजय सांगवान, कैरु के बीईओ अनिल शर्मा तथा जिला एफ एल एन को-ऑर्डिनेटर अनिल कुमार एवं संपर्क जिला कोऑर्डिनेटर मनीष सांगवान द्वारा संयुक्त रूप से दिया गया। शिक्षक लीलाराम वर्मा के साथ लोहारू खंड की राजकीय प्राथमिक स्कूल हरिजन बस्ती बीआरपी राम सिंह, शिक्षिका अरविन कुमारी, मनजीत कुमारी, सुशीला बाई, कमलेश कुमारी तथा शिक्षक प्रवेश कुमार एवं अजीत कुमार को भी यह सम्मान मिला है।

लोहारू। संपर्क स्टाफ अवार्ड हासिल करते हुए शिक्षक लीलाराम। *फोटो: हरिभूमि*

शिक्षा के क्षेत्र में सम्मान

शिक्षक लीला राम वर्मा ने बताया कि सम्पर्क फाउंडेशन,नई दिल्ली द्वारा उनको यह सम्मान शिक्षा के क्षेत्र में उनके द्वारा अपनाए गए नवाचार एवं आईसीटी उपकरणों के प्रयोग द्वारा मनोरंजक एवं प्रभावी शिक्षण कार्य करने, बच्चों के अधिगम स्तर को बढाने तथा स्कूली वातावरण के परंपरागत ढांचे को नवाचारी एवं समावेशी शिक्षण व्यवस्था में परिवर्तित करने के लिए उनके द्वारा किए गए सकारात्मक प्रयासों के लिए दिया गया है। गौरतलब है कि सम्पर्क फाउंडेशन नई दिल्ली अपने शैक्षिक गतिविधियों एवं कार्यक्रमों द्वारा देश भर की 1 लाख से अधिक सरकारी स्कूलों तथा एक करोड़ से अधिक स्कूली बच्चों के अधिगम स्तर में सुधार लाने के लिए सकारात्मक रूप से शिक्षा के क्षेत्र में अपना प्रभाव स्थापित कर चुका है।

विद्यार्थियों को किया सम्मानित

- पीएमश्री राजकीय वमा विद्यालय में वार्षिक समारोह का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

गांव भानगढ़ स्थित पीएमश्री राजकीय वमा विद्यालय में वार्षिक समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरपंच कुलदीप सिंह, प्राचार्य दिलबाग सिंह बाजिया आदि अतिथियों ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष द्वीप प्रज्जवलित करके किया। इस दौरान छात्राओं ने स्वगत गीत के साथ विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसे नृत्य, नाटक की प्रस्तुतियां देकर दर्शकों का मनमोह लिया। प्राचार्य दिलबाग सिंह बाजिया ने बताया कि शिक्षा विभाग की पीएमश्री विद्यालयों में वार्षिक उत्सव की पहल एक सराहनीय कदम है, जिसके अंतर्गत जिला शिक्षा अधिकारी सुभाष भारद्वाज व कैरू खंड शिक्षा अधिकारी अनिल शर्मा के मार्गदर्शन में विद्यालय प्रथम वार्षिक उत्सव का आयोजन किया। इस दौरान वर्षभर विद्यार्थियों द्वारा हासिल की उपलब्धियों जैसे एनएमएमएस, बुनियाद, सुपर-100 व रीडिंग प्रमोशन में स्थान हासिल करने वालों को ट्रॉफी व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। वार्षिक खेलकूद में सफल विद्यार्थियों को मेडल देकर सम्मानित किया। उन्होंने बताया कि विभिन्न कक्षाओं में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान हासिल करने वाले छात्र-छात्राओं को भी ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। मंच संचालन अध्यापिका मोनिका ने किया।

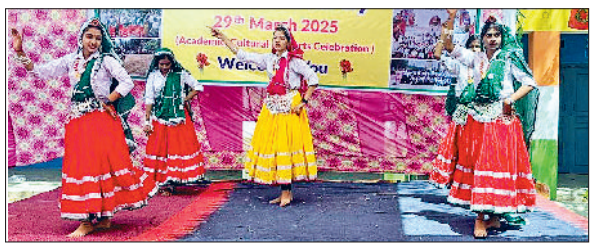

भिवानी। हरियाणवी नृत्य की प्रस्तुति देती छात्राएं। *फोटो: हरिभूमि*

पुलिस अधीक्षक ने किया शहर एवं यातायात थाने का निरीक्षण

भिवानी। सोमवार को पुलिस अधीक्षक अर्श वर्मा ने थाना शहर व थाना यातायात का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थाना परिसर, एमएचसी रूम, मालखाना, हवालात और कंप्यूटर कक्ष की व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया।इस निरीक्षण के दौरान, एसपी अर्श वर्मा ने थाना मोहर्र से रिकॉर्ड की जानकारी लेते हुए साफ-सफाई और स्वच्छता को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सभी अनुसंधानकर्ताओं से कहा कि लंबित मुकदमा का व आमजन की लंबित शिकायतों का जल्द से जल्द निपटारा करें। हमें अपराधियों को गिरफ्तार कर पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए प्रभावी कार्रवाई करनी होगी। एसपी ने पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया कि पीएम विंडो, सीएम विंडो और अन्य शिकायतों का समय पर समाधान करें। उन्होंने ग्राम प्रहरी एप पर नियमित डेटा अपडेट करने पर भी जोर दिया।

पेंशन कटौती बिल वापस लेने की मांग

भिवानी। केंद्रीय संचित निधि से पेंशन देनदारियों पर व्यय के सीसीएस (पेंशन) नियमों और सिद्धांतों का सत्यापन वित विधेयक-2025 के भाग के रूप में 25 मार्च को लोकसभा में पारित किया, जिसके अनुसार 31 दिसंबर 2025 तक सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों तथा पूर्व के पेंशनर्स को 8वें वेतन आयोग के लाभ से वंचित कर दिया है। दूसरी ओर लोस के माननीयों के वेतन में 24 प्रतिशत वृद्धि, न्यूनतम पेंशन 25 हजार रूपये से 31 हजार रूपये किया तथा दैनिक भत्ता 2 हजार से बढ़ाकर 2500 किया। रिटायर्ड कर्मचारी संघ के प्रदेशाध्यक्ष मास्टर वजीर सिंह, महासचिव रतन कुमार जिंदल, जिला प्रधान नरेश कुमार, सचिव राजबीर कादयान, पूर्व प्रधान रामकुमार ढिल्लो, मास्टर शेरसिंह ने बताया कि सरकार के पेंशन संबंधी विधेयक पारित कर सत्ता का चरित्र उजागर कर जनता के प्रति जवाबदेही को दर्शाता है।

पहली मिक्स सब जूनियर नेशनल नेटबॉल चैंपियनशिप संपन्न

हरियाणा ने राजस्थान को हरा जीती ट्रॉफी

- सब जूनियर नेशनल नेटबॉल चैंपियनशिप में हरियाणा ने राजस्थान को 40-26 के बड़े अंतर से दी करारी मात

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

हरियाणा नेटबॉल एसोसिएशन द्वारा गांव कलिंगा स्थित श्रीबालाजी स्कूल में करवाई गई तीन दिवसीय पहली मिक्स सब जूनियर नेशनल नेटबॉल चैंपियनशिप का सोमवार को समापन हो गया। चैंपियनशिप के समापन के दौरान विभिन्न राज्यों से आई टीमों का उत्साह देखते ही बन रहा था। इस मौके पर बतौर मुख्यतिथि हरियाणा नेटबॉल एसोसिएशन के उपप्रधान पवन कौशिक एवं स्कूल के प्राचार्य अत्तर सिंह ने शिरकत की तथा विजेता टीमों को सम्मानित कर उनका हौसला बढ़ाया। एसोसिएशन की महासचिव दहिया ने बताया कि तीन दिवसीय पहली मिक्स सब जूनियर नेशनल नेटबॉल चैंपियनशिप के सेमीफाईनल मुकाबले में हरियाणा ने मध्यप्रदेश को 22-17 के अंतर तथा राजस्थान ने आसाम को 25-15 के अंतर से हराया, जिसके बाद फाइनल मुकाबला हरियाणा व राजस्थान की टीम के बीच हुआ, जिसमें हरियाणा ने राजस्थान को 40-26 के बड़े अंतर से हराते हुए जीत की ट्रॉफी अपने नाम की। उन्होंने बताया कि चैंपियनशिप में दूसरे स्थान पर राजस्थान व तीसरे स्थान पर मध्यप्रदेश की टीम रही।

भिवानी। अतिथियों के साथ विजेता खिलाड़ी। *फोटो: हरिभूमि*

बच्चे सिर्फ शिक्षा तक ही सीमित न रहे

खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए अतिथियों ने कहा कि खेल प्रतियोगिताएं ना केवल खेल प्रतिभाओं को एक बेहतरीन मंच प्रदान कर उन्हे अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर देती है, बल्कि अन्य युवाओं को भी खेल की तरफ आकर्षित करती है। उन्होंने युवाओं से आह्वान करते हुए कहा कि वे सिर्फ शिक्षा तक सीमित न रहे, बल्कि शिक्षा के साथ-साथ खेलों को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाए, ताकि उनका शारीरिक व मानसिक विकास हो सकें।